# विजन 6000

**मसीहा, जीसस क्राइस्ट की वापसी से पहले ग्रेटर इज़राइल की शांतिपूर्ण बहाली के लिए एक प्रस्तावित ग्यारह-राज्य समाधान**

**जहां कोई विजन नहीं होता, लोग तबाह हो जाते हैं:
परन्तु जो व्यवस्था का पालन करता है, वह धन्य है। नीतिवचन 29:18**

**धन्य है वह राष्ट्र जिसका परमेश्वर यहोवा है; और वह लोग जिन्हें उसने अपनी विरासत के लिए चुना है। भजन 33:12**

## ग्रेगोरियन वर्ष 2240

ग्रेगोरियन साल 2240 हिब्रू साल 6000 से मेल खाता है, जिसका यहूदी धर्म में बहुत गहरा धार्मिक महत्व है। क्लासिकल रैबिनिकल सोर्स (जैसे तल्मूड और ज़ोहर) के अनुसार, हिब्रू साल 6000 मसीहा के आने और मसीहाई युग की शुरुआत की आखिरी डेडलाइन है।

मसीहाई युग: पारंपरिक यहूदी एस्केटोलॉजी के अनुसार, दुनिया को सात हज़ार सालों में बांटा गया है। पहले छह युग इंसानियत के इतिहास को दिखाते हैं, जबकि सातवां युग " सब्बाथ " और दुनिया भर में शांति का युग है।

## ग्यारह राज्य

इज़राइल , मिस्र , इराक , जॉर्डन , कुवैत , लेबनान , फ़िलिस्तीन , सऊदी अरब , सीरिया , तुर्की, ईसाई

• इज़राइल - उसी दिन यहोवा ने अब्राम से एक वादा किया, और कहा, "मैंने तेरे वंश को यह देश दिया है, मिस्र की नदी से लेकर बड़ी नदी, फरात तक: केनी, केनिज्जी, कदमोनी, हित्ती, परिज्जी, रपाई, एमोरी, कनानी, गिर्गाशी और यबूसी। और मैं तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को वह देश दूँगा जहाँ तू परदेशी है, यानी कनान की सारी ज़मीन, हमेशा के लिए उनकी मिल्कियत होगी; और मैं उनका भगवान रहूँगा।" उत्पत्ति 15:18-21 ; 17:8

• मिस्र - नील नदी के पूर्व में रहने वाले लोग इसके पश्चिम में जाकर बस सकते हैं या गिबोनियों की तरह रह सकते हैं।

• इराक - फरात नदी के दक्षिण और पश्चिम में रहने वाले लोग इसके उत्तर और पूर्व में बस सकते हैं या गिबोनियों के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं।

• जॉर्डन - सभी निवासी सीरिया के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (फरात नदी के ऊपर) में जाकर बस सकते हैं या गिबोनियों के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं।

• कुवैत - जाहरा गवर्नरेट के प्रभावित उत्तरी हिस्से के निवासी दक्षिण में जाकर बस सकते हैं या गिबोनियों की तरह काम कर सकते हैं।

• लेबनान - सभी निवासी सीरिया के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (फरात नदी के ऊपर) में जाकर बस सकते हैं या गिबोनियों का उदाहरण अपना सकते हैं।

• फ़िलिस्तीन - सभी निवासी नील नदी के पश्चिम में या सीरिया के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (फ़रात नदी के ऊपर) में जाकर बस सकते हैं। या सऊदी अरब के दक्षिणी भाग में जाएं या गिबोनियों के उदाहरण का अनुसरण करें।

• सऊदी अरब - प्रभावित उत्तरी भाग के निवासी दक्षिण में जाकर बस सकते हैं या गिबोनियों का उदाहरण अपना सकते हैं।

• सीरिया - फ़रात नदी के दक्षिण और पश्चिम में रहने वाले लोग इसके उत्तर और पूर्व में बस सकते हैं या गिबोनियों के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं।

• तुर्की - प्रभावित दक्षिण-पूर्वी भाग के निवासी उत्तर की ओर पलायन कर सकते हैं या गिबोनियों के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं।

• ईसाई - परमेश्वर के राज्य के नागरिकों को लगातार दूसरे 10 राज्यों और सभी देशों में सुसमाचार का प्रचार, घोषणा और प्रकाशन करना चाहिए।

तुम धरती के नमक हो: लेकिन अगर नमक का स्वाद चला जाए, तो उसे नमकीन कैसे बनाया जाएगा? वह अब किसी काम का नहीं, बस बाहर फेंक दिया जाए और लोगों के पैरों तले रौंदा जाए। तुम दुनिया की रोशनी हो। जो शहर पहाड़ी पर बसा है, उसे छिपाया नहीं जा सकता। न ही लोग मोमबत्ती जलाकर उसे बुशेल के नीचे रखते हैं, बल्कि कैंडलस्टिक पर रखते हैं; और वह घर में सभी को रोशनी देती है। तुम्हारी रोशनी लोगों के सामने ऐसे चमके, कि वे तुम्हारे अच्छे कामों को देखें, और तुम्हारे पिता की बड़ाई करें जो स्वर्ग में हैं। मैथ्यू 5:13-16

और यीशु ने आकर उनसे कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी की सारी शक्ति मुझे दी गई है। इसलिए तुम जाओ और सभी राष्ट्रों को सिखाओ, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो: उन्हें वे सभी बातें मानना सिखाओ जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है: और देखो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ, दुनिया के अंत तक। आमीन। मैथ्यू 28:18-20

और सबसे पहले सुसमाचार को सभी देशों में प्रकाशित किया जाना चाहिए। मरकुस 13:10

और उसने उनसे कहा, " तुम सारी दुनिया में जाओ और हर जीव को खुशखबरी सुनाओ। जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा, वह बच जाएगा; लेकिन जो विश्वास नहीं करेगा, वह सज़ा पाएगा।" और जो विश्वास करेंगे, उनके साथ ये निशानियाँ होंगी: वे मेरे नाम से शैतानों को निकालेंगे; वे नई-नई भाषाएँ बोलेंगे; वे साँपों को उठा लेंगे; और अगर वे कोई जानलेवा चीज़ पी भी लें, तो उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे ठीक हो जाएँगे। तो जब प्रभु उनसे बात कर चुके, तो वह स्वर्ग में ऊपर उठा लिया गया, और परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठ गया। और वे निकलकर हर जगह खुशखबरी सुनाने लगे, प्रभु उनके साथ काम कर रहा था, और निशानियों से वचन को पक्का कर रहा था। आमीन। मरकुस 16:15-20

इसलिए जब वे इकट्ठा हुए, तो उन्होंने उससे पूछा, "हे प्रभु, क्या आप इसी समय इस्राएल को राज्य वापस दे देंगे?" उसने उनसे कहा, " समय या मौसम को जानना तुम्हारा काम नहीं है, जिसे पिता ने अपने अधिकार में रखा है। लेकिन जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तो तुम्हें शक्ति मिलेगी: और तुम यरूशलेम, और सारे यहूदिया, और सामरिया, और पृथ्वी के कोने-कोने तक मेरे गवाह होगे।" प्रेरितों के काम 1:6-8

तब बरनबास शाऊल को ढूंढने के लिए तरसुस चला गया। जब वह उसे मिल गया, तो वह उसे अन्ताकिया ले आया। और ऐसा हुआ कि वे पूरे एक साल तक चर्च के साथ इकट्ठा होते रहे और बहुत से लोगों को सिखाते रहे। और चेलों को सबसे पहले अन्ताकिया में ईसाई कहा गया। प्रेरितों के काम 11:25-26 (पुराना अन्ताकिया, दक्षिणी तुर्की के हाटे प्रांत में आज के अन्ताक्या शहर के अंदर आता है।)

इसलिए कानून हमारा टीचर था, ताकि हमें मसीह के पास ले जाए, ताकि हम विश्वास से नेक ठहरें। लेकिन जब विश्वास आ गया, तो हम टीचर के अंडर नहीं रहे। क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में विश्वास से परमेश्वर के बच्चे हो। क्योंकि तुम में से जितने भी मसीह में बैप्टाइज़ हुए हैं, उन्होंने मसीह को पहन लिया है। न कोई यहूदी है, न यूनानी, न कोई गुलाम है, न आज़ाद, न कोई नर है, न नारी: क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। और अगर तुम मसीह के हो, तो तुम अब्राहम के वंश और वादे के अनुसार वारिस हो। गलातियों 3:24-29

आखिर में, मेरे भाइयों, प्रभु में और उसकी ताकत में मज़बूत बनो। परमेश्वर के सारे हथियार पहन लो, ताकि तुम शैतान की चालों का सामना कर सको। क्योंकि हम खून-पसीने से नहीं, बल्कि राज करने वालों से, ताकतों से, इस दुनिया के अंधेरे के राज करने वालों से, ऊँची जगहों पर मौजूद रूहानी बुराई से लड़ते हैं। इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार अपने पास रखो, ताकि तुम बुरे दिन में टिक सको, और सब कुछ करके खड़े रह सको। इसलिए, सच्चाई से अपनी कमर कसकर, और नेकी का कवच पहनकर खड़े रहो; और अपने पैरों में शांति की खुशखबरी की तैयारी के जूते पहनकर; सबसे बढ़कर, विश्वास की ढाल लो, जिससे तुम बुरे लोगों के सभी आग के तीरों को बुझा सकोगे। और मुक्ति का टोप और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो: और हर समय आत्मा में हर तरह की प्रार्थना और विनती करते रहो, और सभी संतों के लिए और मेरे लिए भी पूरी लगन और विनती के साथ जागते रहो; ताकि मुझे बोलने का मौका मिले, कि मैं हिम्मत से अपना मुँह खोलूँ, ताकि सुसमाचार का रहस्य बता सकूँ, जिसके लिए मैं कैद में राजदूत हूँ: ताकि मैं उसमें हिम्मत से बोल सकूँ, जैसा मुझे बोलना चाहिए। इफिसियों 6:10-20

लेकिन तुम एक चुना हुआ वंश, शाही याजकों का समाज, एक पवित्र राष्ट्र, एक खास लोग हो; ताकि तुम उसकी तारीफ़ करो जिसने तुम्हें अंधेरे से अपनी शानदार रोशनी में बुलाया है: जो पहले लोग नहीं थे, पर अब परमेश्वर के लोग हो: जिन पर दया नहीं हुई थी, पर अब उन पर दया हुई है। 1 पतरस 2:9-10

# गिबोनियों का उदाहरण

यहोशू 9
1 और ऐसा हुआ, जब यरदन के इस पार, पहाड़ियों और घाटियों में, और लेबनान के सामने महासागर के सब तटों पर रहने वाले हित्ती, एमोरी, कनानी, परिज्जी, हिव्वी, और यबूसी सब राजाओं ने यह सुना,
2 वे सब एक मन होकर यहोशू और इस्राएल से लड़ने के लिये इकट्ठे हुए।
3 जब गिबोन के लोगों ने सुना कि यहोशू ने यरीहो और ऐ के साथ क्या किया है,
4 उन्होंने चतुराई से काम किया और राजदूतों का सा रूप धारण करके अपने गधों पर पुराने बोरे और पुरानी फटी और बंधी हुई दाखमधु की कुप्पीयाँ लाद लीं।
5 और उनके पैरों में पुराने जूते और पुराने कपड़े थे; और उनके खाने की सारी रोटी सूखी और फफूंद लगी हुई थी।
6 तब वे गिलगाल में छावनी में यहोशू के पास गए, और उससे और इस्राएल के लोगों से कहा, "हम दूर देश से आए हैं; इसलिए अब तुम हमारे साथ समझौता करो।"
7 तब इस्राएल के लोगों ने हिव्वियों से कहा, "शायद तुम हमारे बीच में रहते हो; फिर हम तुम्हारे साथ कैसे समझौता करें?"
8 तब उन्होंने यहोशू से कहा, हम तेरे दास हैं। यहोशू ने उनसे कहा, तुम कौन हो? और कहां से आए हो?
9 और उन्होंने उससे कहा, "तेरे सेवक बहुत दूर देश से तेरे परमेश्वर यहोवा के नाम की वजह से आए हैं; क्योंकि हमने उसकी शोहरत और मिस्र में उसके सब कामों के बारे में सुना है।"
10 और उसने यरदन के पार रहने वाले एमोरियों के दो राजाओं, हेशबोन के राजा सीहोन और अश्तारोत में रहने वाले बाशान के राजा ओग के साथ जो कुछ किया, वह सब किया।
11 इसलिए हमारे बुज़ुर्गों और हमारे देश के सभी रहने वालों ने हमसे कहा, 'सफ़र के लिए खाना-पीना लेकर उनसे मिलने जाओ और उनसे कहो, 'हम तुम्हारे नौकर हैं। इसलिए अब तुम हमारे साथ एक समझौता करो।'
12 जिस दिन हम तुम्हारे पास जाने को निकले थे, उस दिन हमने अपने घरों से यही रोटी गरम-गरम खाई थी; पर अब देखो, यह सूखी और फफूंद लगी हुई है।
13 और ये शराब की बोतलें, जो हमने भरी थीं, नई थीं; और देखो, वे फट गई हैं; और हमारे ये कपड़े और हमारे जूते बहुत लंबे सफर की वजह से पुराने हो गए हैं।
14 तब उन लोगों ने अपना खाना खा लिया, और यहोवा से सलाह नहीं मांगी।
15 तब यहोशू ने उनसे शांति की, और उन्हें जीवित रहने देने का वचन लिया; और मण्डली के हाकिमों ने उनसे शपथ खाई।
16 और ऐसा हुआ कि उनके साथ समझौता करने के तीन दिन बाद, उन्हें पता चला कि वे उनके पड़ोसी हैं, और उनके बीच रहते हैं।
17 और इस्राएल के बच्चे यात्रा करके तीसरे दिन अपने शहरों में पहुँचे। उनके शहर गिबोन, केफिराह, बेरोत और किर्यत-यारीम थे।
18 और इस्राएल के बच्चों ने उन्हें नहीं मारा, क्योंकि मंडली के हाकिमों ने उनसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की कसम खाई थी। और सारी मंडली हाकिमों के खिलाफ बड़बड़ाने लगी।
19 लेकिन सभी हाकिमों ने पूरी जमात से कहा, "हमने उनसे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की कसम खाई है: इसलिए अब हम उन्हें छू नहीं सकते।"
20 हम उनके साथ ऐसा ही करेंगे; हम उन्हें ज़िंदा छोड़ देंगे, कहीं ऐसा न हो कि हम पर गुस्सा आ जाए, क्योंकि हमने उनसे कसम खाई थी।
21 तब हाकिमों ने उनसे कहा, "उन्हें ज़िंदा रहने दो; लेकिन वे सारी मंडली के लिए लकड़ी काटने वाले और पानी भरने वाले बनें, जैसा कि हाकिमों ने उनसे वादा किया था।"

22 तब यहोशू ने उन्हें बुलाया, और उनसे कहा, "तुम लोग हमारे बीच रहते हो, फिर भी तुम यह कहकर हमें क्यों धोखा देते हो कि हम तुमसे बहुत दूर हैं?"
23 इसलिए अब तुम शापित हो, और तुममें से कोई भी मेरे परमेश्वर के घर के लिए गुलाम, लकड़ी काटने वाला और पानी भरने वाला बनने से आज़ाद नहीं होगा।
24 तब उन्होंने यहोशू को जवाब दिया, "क्योंकि तुम्हारे सेवकों को यह ज़रूर बताया गया था कि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने अपने सेवक मूसा को यह आज्ञा दी थी कि वह तुम्हें सारी ज़मीन दे दे, और तुम्हारे सामने से उस ज़मीन के सभी रहने वालों को खत्म कर दे, इसलिए हम तुम्हारे कारण अपनी जान को लेकर बहुत डरे हुए थे, और हमने यह काम किया है।"
25 और अब, देख, हम तेरे हाथ में हैं; जैसा तुझे हमारे साथ करना अच्छा और सही लगे, वैसा ही कर।
26 और उसने उनके साथ वैसा ही किया, और उन्हें इस्राएलियों के हाथ से छुड़ाया, ताकि वे उन्हें मार न सकें।
27 और उस दिन यहोशू ने उन्हें मंडली के लिए लकड़ी काटने वाले और पानी भरने वाले बना दिया, और यहोवा की वेदी के लिए भी, जो उसने चुनी थी, उस जगह पर वे आज तक हैं।

यहोशू 10
1 जब यरूशलेम के राजा अदोनिजेडेक ने सुना कि यहोशू ने ऐ पर कब्ज़ा कर लिया है और उसे पूरी तरह तबाह कर दिया है; जैसा उसने यरीहो और उसके राजा के साथ किया था, वैसा ही उसने ऐ और उसके राजा के साथ भी किया है; और गिबोन के रहने वालों ने इस्राएल के साथ शांति कर ली है, और उनके बीच रहने लगे हैं;
2 वे बहुत डर गए, क्योंकि गिबोन एक बड़ा शहर था, शाही शहरों में से एक था, और क्योंकि वह ऐ से भी बड़ा था, और उसके सभी लोग ताकतवर थे।
3 इसलिए यरूशलेम के राजा अदोनिजेडेक ने हेब्रोन के राजा होहम, यर्मूत के राजा पिराम, लाकीश के राजा यापीया, और एग्लोन के राजा दबीर के पास यह संदेश भेजा,
4 मेरे पास आओ, और मेरी मदद करो, ताकि हम गिबोन को हरा सकें; क्योंकि उसने यहोशू और इस्राएलियों के साथ शांति कर ली है।
5 इसलिए एमोरियों के पाँच राजा, यरूशलेम के राजा, हेब्रोन के राजा, यरमूत के राजा, लाकीश के राजा, एग्लोन के राजा, सब इकट्ठे हुए, और अपनी सारी सेना के साथ ऊपर चढ़ गए, और गिबोन के सामने डेरा डालकर उसके खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी।
6 और गिबोन के आदमियों ने गिलगाल के कैंप में यहोशू के पास यह संदेश भेजा, "अपने सेवकों की तरफ़ से हाथ मत हटाओ; जल्दी से हमारे पास आओ, और हमें बचाओ, और हमारी मदद करो; क्योंकि पहाड़ों में रहने वाले एमोरियों के सभी राजा हमारे ख़िलाफ़ इकट्ठा हुए हैं।"
7 तब यहोशू, उसके साथ सभी योद्धा और सभी वीर योद्धा गिलगाल से चले गए।
8 तब यहोवा ने यहोशू से कहा, "उनसे मत डरो, क्योंकि मैंने उन्हें तुम्हारे हाथ में कर दिया है; उनमें से कोई भी तुम्हारे सामने खड़ा नहीं होगा।"
9 इसलिए यहोशू अचानक उनके पास आया, और रातों-रात गिलगाल से ऊपर चला गया।
10 और यहोवा ने उन्हें इस्राएल के सामने परेशान कर दिया, और गिबोन में उन्हें बहुत मार डाला, और बेथोरोन तक जाने वाले रास्ते पर उनका पीछा किया, और अज़ेका और मक्केदा तक उन्हें मारता रहा।
11 और जब वे इस्राएल के सामने से भागकर बेथोरोन की ओर जा रहे थे, तो यहोवा ने अज़ेका तक उन पर आसमान से बड़े-बड़े पत्थर बरसाए, और वे मर गए; ओलों से मरने वालों की संख्या इस्राएलियों द्वारा तलवार से मारे गए लोगों से ज़्यादा थी।
12 जिस दिन यहोवा ने अमोरियों को इस्राएलियों के हाथ में कर दिया, उस दिन यहोशू ने यहोवा से कहा, और इस्राएलियों के देखते हुए कहा, हे सूर्य, तू गिबोन पर और हे चंद्रमा, अजालोन की घाटी में रुक जा।

13 और सूरज और चाँद तब तक रुके रहे, जब तक लोगों ने अपने दुश्मनों से बदला नहीं ले लिया। क्या यह याशेर की किताब में नहीं लिखा है? तो सूरज आसमान के बीच में रुका रहा, और लगभग पूरे दिन डूबने में देर नहीं लगाई।
14 और न तो इससे पहले ऐसा कोई दिन आया और न इसके बाद, जब यहोवा ने किसी आदमी की बात सुनी हो; क्योंकि यहोवा इस्राएल के लिए लड़ा था।
15 तब यहोशू और सारा इस्राएली उसके साथ गिलगाल के छावनी में लौट आए।
16 लेकिन ये पांचों राजा भाग गए और मक्केदा में एक गुफा में छिप गए।
17 और यहोशू को बताया गया, कि पांचों राजा मक्केदा में एक गुफा में छिपे हुए मिले हैं।
18 तब यहोशू ने कहा, गुफा के मुंह पर बड़े-बड़े पत्थर लुढ़का दो, और उनकी रखवाली के लिए लोगों को खड़ा कर दो।
19 और तुम रुको मत, बल्कि अपने दुश्मनों का पीछा करो, और उनमें से सबसे पीछे वालों को मार डालो; उन्हें अपने शहरों में घुसने मत दो; क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने उन्हें तुम्हारे हाथ में कर दिया है।
20 और जब यहोशू और इस्राएल के बच्चों ने उन्हें बहुत बुरी तरह मार डाला, और वे खत्म हो गए, तो जो लोग बचे थे वे किलेबंद शहरों में चले गए।
21 और सब लोग शांति से मक्केदा में यहोशू के पास कैंप में लौट आए; किसी ने भी इस्राएल के किसी भी बच्चे के खिलाफ अपनी ज़बान नहीं चलाई।
22 तब यहोशू ने कहा, "गुफा का मुंह खोलो और उन पांच राजाओं को गुफा से बाहर मेरे पास ले आओ।"
23 और उन्होंने ऐसा ही किया, और उन पांच राजाओं को गुफा से बाहर निकालकर उसके पास ले आए, यरूशलेम का राजा, हेब्रोन का राजा, यरमूत का राजा, लाकीश का राजा, और एग्लोन का राजा।
24 और जब वे उन राजाओं को यहोशू के पास ले आए, तो यहोशू ने इस्राएल के सभी आदमियों को बुलाया, और अपने साथ गए सैनिकों के सरदारों से कहा, पास आओ, और इन राजाओं की गर्दन पर अपने पैर रखो। और वे पास आए, और अपने पैर उनकी गर्दन पर रख दिए।
25 तब यहोशू ने उनसे कहा, "डरो मत, न घबराओ, बल्कि हिम्मत रखो और हिम्मत रखो; क्योंकि यहोवा तुम्हारे उन सभी दुश्मनों से ऐसा ही करेगा जिनसे तुम लड़ोगे।"
26 इसके बाद यहोशू ने उन्हें मारा, और मार डाला, और उन्हें पाँच पेड़ों पर लटका दिया: और वे शाम तक पेड़ों पर लटके रहे।
27 और सूरज डूबने के समय, यहोशू की आज्ञा पर, उन्होंने उन्हें पेड़ों से उतारकर उस गुफा में डाल दिया जिसमें वे छिपे हुए थे, और गुफा के मुँह पर बड़े-बड़े पत्थर रख दिए, जो आज तक वहीं हैं।
28 और उस दिन यहोशू ने मक्केदा पर कब्ज़ा कर लिया, और उसे तलवार से मार डाला, और उसके राजा को, और उसमें रहने वाले सभी लोगों को पूरी तरह खत्म कर दिया; उसने किसी को भी ज़िंदा नहीं छोड़ा: और उसने मक्केदा के राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उसने यरीहो के राजा के साथ किया था।
29 तब यहोशू, और सारा इस्राएल अपने साथ मक्केदा से लिब्ना को गया, और लिब्ना से लड़ा।
30 और यहोवा ने उसे और उसके राजा को भी इस्राएल के हाथ में कर दिया; और उसने उसे और उसमें रहने वाले सभी लोगों को तलवार से मार डाला; उसने उसमें किसी को भी नहीं छोड़ा; बल्कि उसके राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उसने यरीहो के राजा के साथ किया था।
31 तब यहोशू, और सारा इस्राएली उसके साथ लिब्ना से होकर लाकीश तक गया, और उसके विरुद्ध छावनी डालकर उससे लड़ा।
32 और यहोवा ने लाकीश को इस्राएल के हाथ में कर दिया, और दूसरे दिन उन्होंने उस पर कब्ज़ा कर लिया, और उसे और उसमें रहने वाले सभी लोगों को तलवार से मार डाला, ठीक वैसे ही जैसे उसने लिब्ना के साथ किया था।
33 तब गेजेर का राजा होराम लाकीश की मदद करने आया; और यहोशू ने उसे और उसके लोगों को तब तक मारा, जब तक कि उसके पास कोई नहीं बचा।

34 और यहोशू, और सारा इस्राएल, लाकीश से एग्लोन की ओर गया; और उन्होंने उसके विरुद्ध डेरा डाला,
और उससे युद्ध किया।
35 और उसी दिन उन्होंने उस पर कब्ज़ा कर लिया, और उसे तलवार से मार डाला, और उसमें जितने भी लोग
थे, उन सबको उसने उसी दिन पूरी तरह खत्म कर दिया, ठीक वैसे ही जैसे उसने लाकीश के साथ किया था।
36 तब यहोशू और सारा इस्राएल एग्लोन से हेब्रोन को गया; और उन्होंने उसके विरुद्ध युद्ध किया।
37 और उन्होंने उस पर कब्ज़ा कर लिया, और उसे तलवार से मार डाला, और उसके राजा को, और उसके
सब शहरों को, और उसमें रहने वाले सब लोगों को; उसने किसी को नहीं छोड़ा, जैसा उसने एग्लोन के साथ
किया था; बल्कि उसे और उसमें रहने वाले सब लोगों को पूरी तरह खत्म कर दिया।
38 तब यहोशू और सारा इस्राएल उसके साथ दबीर को लौट गया; और उसके विरुद्ध युद्ध किया।
39 और उसने उसे, उसके राजा को, और उसके सब शहरों को ले लिया; और उन्होंने उन्हें तलवार से मार
डाला, और उसमें रहने वाले सब लोगों को पूरी तरह खत्म कर दिया; उसने किसी को भी ज़िंदा नहीं छोड़ा:
जैसा उसने हेब्रोन के साथ किया था, वैसा ही उसने दबीर और उसके राजा के साथ किया; जैसा उसने लिब्ना
और उसके राजा के साथ भी किया था।
40 इसलिए यहोशू ने पहाड़ी, दक्षिण, तराई और झरनों के सारे देश को और उनके सभी राजाओं को मार डाला;
उसने किसी को भी ज़िंदा नहीं छोड़ा, बल्कि जितने भी ज़िंदा थे, उन्हें पूरी तरह खत्म कर दिया, जैसा कि
इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने हुक्म दिया था।
41 और यहोशू ने कादेशबर्ने से लेकर गाजा तक, और गोशेन के सारे देश से लेकर गिबोन तक उन्हें मारा।
42 और यहोशू ने इन सब राजाओं और उनकी ज़मीन पर एक ही बार में कब्ज़ा कर लिया, क्योंकि इस्राएल का
परमेश्वर यहोवा इस्राएल के लिए लड़ा था।
43 तब यहोशू और उसके साथ सारा इस्राएल गिलगाल के छावनी में लौट आया।

# अन्यजातियों का समय

और वे तलवार की धार से मारे जाएँगे, और सब देशों में बंदी बनाकर ले जाए जाएँगे; और यरूशलेम को गैर-यहूदी रौंदते रहेंगे, जब तक कि गैर-यहूदियों का समय पूरा न हो जाए। लूका 21:24

"अन्यजातियों का समय" बाइबिल में ल्यूक 21:24 से लिया गया एक भविष्यवाणी वाला शब्द है। यह एक ऐतिहासिक समय के बारे में बताता है, जिसमें गैर-यहूदी (अन्यजातियों) देशों का राजनीतिक रूप से यरूशलेम और दुनिया के मामलों पर दबदबा था। जानकार आमतौर पर मानते हैं कि यह युग 586 BC में बेबीलोन से देश निकाले के साथ शुरू हुआ और मसीह के लौटने तक जारी रहा।

कॉन्सेप्ट के मुख्य तत्व:

भविष्यवाणी में शुरुआत: यह बात सबसे मशहूर तौर पर जीसस ने ओलिवेट प्रवचन में इस्तेमाल की थी, जहाँ उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि यरूशलेम "गैर-यहूदियों द्वारा तब तक रौंदा जाएगा जब तक गैर-यहूदियों का समय पूरा नहीं हो जाता"।

डैनियल के दर्शन: यह कॉन्सेप्ट डैनियल 2 की भविष्यवाणियों से गहराई से जुड़ा हुआ है, जो गैर-यहूदी दुनिया के साम्राज्यों (बेबीलोन से शुरू होकर) के एक के बाद एक आने की रूपरेखा बताता है, जिनकी जगह आखिरकार भगवान का हमेशा रहने वाला राज्य ले लेगा।

बाइबिल के विद्वान और एस्केटोलॉजिस्ट अक्सर "गैर-यहूदियों के समय" को कई धार्मिक विचारों में बांटते हैं:

पॉलिटिकल डोमिनियन: ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि यरूशलेम पर विदेशी ताकतों का कंट्रोल रहा है, जो पूरे इतिहास में बेबीलोनियों और रोमनों से लेकर बाद के साम्राज्यों तक फैला हुआ है।

चर्च युग: वह समय जब सुसमाचार का संदेश मुख्य रूप से गैर-यहूदी देशों में फैलाया गया।

"समय" बनाम "पूरा होना": कुछ धर्मगुरु "अन्यजातियों के समय" (पॉलिटिकल शासन की फिजिकल टाइमलाइन) और "अन्यजातियों के पूरे होने" (रोमियों 11:25 में बताया गया है, जो गैर-यहूदी विश्वासियों के भगवान की मुक्ति योजना में पूरी तरह से आध्यात्मिक रूप से इकट्ठा होने को बताता है) के बीच फर्क करते हैं।

# अन्यजातियों की पूर्णता

क्योंकि हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस रहस्य से अनजान रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम अपने आप को बुद्धिमान समझो; कि इस्राएल का एक हिस्सा अंधा हो गया है, जब तक कि गैर-यहूदी पूरी तरह से न आ जाएं। और इस तरह सारा इस्राएल बच जाएगा: जैसा लिखा है, सिय्योन से छुड़ाने वाला आएगा, और याकूब से अधर्म को दूर करेगा: रोमियों 11:25-26

"गैर-यहूदियों की पूरी तरह से मौजूदगी" एक भविष्यवाणी वाली बात है जो बाइबल के किंग जेम्स वर्शन में, खासकर रोमियों 11:25 में मिलती है। यह उस समय को बताता है जब गॉस्पेल का प्रचार मुख्य रूप से गैर-यहूदियों को किया जाता है। यह दौर तब खत्म होगा जब भगवान द्वारा तय की गई संख्या में गैर-यहूदी लोग मसीह में विश्वास करने लगेंगे, जिससे भगवान अपनी भविष्यवाणी का ध्यान वापस इज़राइल के उद्धार पर लगा सकेंगे।

कॉन्सेप्ट के मुख्य तत्व:

मुख्य धर्मग्रंथ: रोमियों 11:25 में, प्रेरित पौलुस चर्च को एक "रहस्य" बताते हैं: "कि इस्राएल का कुछ हिस्सा अंधा हो गया है, जब तक कि गैर-यहूदी पूरी तरह से अंदर न आ जाएं।" इसका मतलब है कि इस्राएल का कुछ समय के लिए आध्यात्मिक रूप से सख्त होना एक मकसद पूरा करता है—यह गैर-यहूदियों (गैर-यहूदी दुनिया) के लिए मुक्ति पाने और परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बनने का रास्ता खोलता है।

ग्रीक मूल: इस संदर्भ में "फुलनेस" शब्द ग्रीक शब्द प्लेरोमा से लिया गया है, जिसका मतलब है पूरी संख्या, पूरा होना, या बहुत ज़्यादा होना। यह आम तौर पर गैर-यहूदियों की पूरी, पूरी फसल को बताता है जिसे परमेश्वर इस मौजूदा चर्च युग के दौरान बचाना चाहता है।

"अन्यजातियों के समय" से संबंध:
यह कॉन्सेप्ट ल्यूक 21:24 से जुड़ा है, जहाँ यीशु "गैर-यहूदियों के समय" की बात करते हैं—यह एक लंबा समय था जिसमें यरूशलेम और यहूदी लोगों पर गैर-यहूदियों का दबदबा था। "गैर-यहूदियों की पूरी आबादी" इस युग के खत्म होने का निशान है, जिसके बाद इज़राइल का अंधापन दूर हो जाएगा ताकि "सारा इज़राइल बच जाएगा" जैसा कि रोमियों 11:26 में कहा गया है।

# मत्ती 24

1 और यीशु मंदिर से बाहर निकलकर चला गया: और उसके चेले उसे मंदिर की इमारतें दिखाने के लिए उसके पास आए।
2 तब यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम ये सब बातें नहीं देखते? मैं तुमसे सच कहता हूं, यहां एक भी पत्थर दूसरे पर नहीं छोड़ा जाएगा, जिसे गिराया न जाएगा।
3 और जब वह जैतून पहाड़ पर बैठा था, तो चेले अकेले में उसके पास आए और पूछा, "हमें बताओ, ये बातें कब होंगी? और तुम्हारे आने और दुनिया के अंत का क्या निशान होगा?"
4 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, " सावधान रहो कि कोई तुम्हें धोखा न दे।"
5 क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम से आकर कहेंगे, कि मैं मसीह हूं, और बहुतों को धोखा देंगे।
6 और तुम लड़ाइयों और लड़ाइयों की अफवाहें सुनोगे: देखो, घबराओ मत, क्योंकि ये सब बातें तो होनी ही हैं, पर अंत अभी नहीं हुआ है।
7 क्योंकि एक देश दूसरे देश पर, और एक राज्य दूसरे राज्य पर हमला करेगा; और जगह-जगह अकाल, महामारी और भूकंप आएंगे।
8 ये सब बातें दुखों की शुरुआत हैं।
9 तब वे तुम्हें दुख देने के लिए सौंप देंगे, और तुम्हें मार डालेंगे; और मेरे नाम के कारण सब देश तुमसे नफ़रत करेंगे।
10 और तब बहुत से लोग ठोकर खाएंगे, और एक दूसरे को धोखा देंगे, और एक दूसरे से नफरत करेंगे।
11 और बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को धोखा देंगे।
12 और क्योंकि अधर्म बढ़ जाएगा, बहुतों का प्रेम ठंडा पड़ जाएगा।
13 लेकिन जो अंत तक धीरज धरेगा, वही बचेगा।
14 और राज्य का यह सुसमाचार सारी दुनिया में प्रचार किया जाएगा, ताकि सब देशों पर गवाही हो; और तब अंत आएगा।
15 इसलिए जब तुम उस उजाड़ने वाली घिनौनी चीज़ को, जिसके बारे में दानिय्येल नबी ने कहा था, पवित्र जगह में खड़ी हुई देखो, (जो कोई पढ़े, वह समझे):)
16 तब जो यहूदिया में हों, वे पहाड़ों पर भाग जाएं।
17 जो घर की छत पर हो, वह अपने घर से कुछ लेने के लिए नीचे न उतरे।
18 और जो खेत में हो, वह अपने कपड़े लेने के लिए वापस न लौटे।
19 और उन दिनों में जो गर्भवती होंगी और जो दूध पिलाएंगी, उनके लिए हाय!
20 लेकिन तुम प्रार्थना करो कि तुम्हारा भागना सर्दियों में न हो, न ही सब्त के दिन।
21 क्योंकि तब ऐसा बड़ा क्लेश होगा, जैसा दुनिया की शुरुआत से अब तक न हुआ, और न कभी होगा।
22 और अगर वे दिन कम न किए जाएं, तो कोई भी इंसान न बचेगा: लेकिन चुने हुए लोगों की वजह से वे दिन कम किए जाएंगे।
23 तब अगर कोई तुमसे कहे, देखो, मसीह यहाँ है, या वहाँ है, तो यकीन मत करना।
24 क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े-बड़े चिन्ह और चमत्कार दिखाएंगे; इतना कि अगर हो सके, तो वे चुने हुए लोगों को भी धोखा दे देंगे।
25 देखो, मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है।
26 इसलिए अगर वे तुमसे कहें, देखो, वह जंगल में है, तो बाहर मत जाओ; देखो, वह गुप्त कोठरियों में है; तो यकीन मत करो।
27 क्योंकि जैसे बिजली पूरब से निकलकर पश्चिम तक चमकती है, वैसे ही इंसान के बेटे का आना भी होगा।
28 क्योंकि जहां कहीं लाश होगी, वहीं चीलें इकट्ठी हो जाएंगी।

29 उन दिनों की मुसीबत के तुरंत बाद सूरज अंधेरा हो जाएगा, और चाँद अपनी रोशनी नहीं देगा, और तारे
आसमान से गिर पड़ेंगे, और आसमान की ताकतें हिल जाएंगी।
30 और तब स्वर्ग में इंसान के बेटे का निशान दिखाई देगा: और तब धरती के सभी कबीले मातम मनाएंगे, और
वे इंसान के बेटे को शक्ति और बड़ी महिमा के साथ स्वर्ग के बादलों में आते देखेंगे।
31 और वह अपने स्वर्गदूतों को तुरही की बड़ी आवाज़ के साथ भेजेगा, और वे चारों दिशाओं से, स्वर्ग के एक
छोर से दूसरे छोर तक उसके चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेंगे।
32 अब अंजीर के पेड़ की एक कहानी सीखो; जब उसकी डाली कोमल हो जाती है, और उसमें पत्ते निकलने
लगते हैं, तो तुम जान लेते हो कि गर्मी का मौसम पास है।
33 इसी तरह जब तुम ये सब बातें देखो, तो जान लो कि वह पास है, दरवाज़े पर ही है।
34 मैं तुमसे सच कहता हूँ, जब तक ये सब बातें पूरी न हो जाएँ, तब तक यह पीढ़ी जाती नहीं रहेगी।
35 आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी नहीं टलेंगी।
36 लेकिन उस दिन और उस घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के फ़रिश्ते, बल्कि सिर्फ़ मेरा पिता।
37 लेकिन जैसे नूह के दिन थे, वैसे ही इंसान के बेटे का आना भी होगा।
38 क्योंकि जैसे जलप्रलय से पहले के दिनों में लोग खाते-पीते थे, शादियाँ करते थे, उस दिन तक जब तक नूह
जहाज़ में नहीं गया,
39 और जब तक बाढ़ आकर उन सबको बहा न ले गई, तब तक उन्हें पता न चला; वैसे ही इंसान के बेटे का
आना भी होगा।
40 तब दो लोग खेत में होंगे; एक ले लिया जाएगा, और दूसरा छोड़ दिया जाएगा।
41 दो औरतें चक्की पीस रही होंगी; एक ले ली जाएगी, और दूसरी छोड़ दी जाएगी।
42 इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आएगा।
43 लेकिन यह जान लो कि अगर घर का मालिक जानता होता कि चोर किस पहर आएगा, तो वह जागता रहता,
और अपने घर में सेंध नहीं लगने देता।
44 इसलिए तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी के बारे में तुम सोचते भी नहीं हो, उसी घड़ी इंसान का बेटा
आएगा।
45 तो फिर वह वफ़ादार और समझदार नौकर कौन है, जिसे उसके मालिक ने अपने घराने पर सरदार बनाया
हो, ताकि उन्हें सही समय पर खाना दे?
46 धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते हुए पाए।
47 मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर शासक बनाएगा।
48 परन्तु यदि वह दुष्ट दास अपने मन में सोचने लगे, कि मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है,
49 और वह अपने साथी दासों को मारना पीटना शुरू कर देगा, और शराबियों के साथ खाएगा और पियक्कड़ों
के साथ खाएगा;
50 उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा जब वह उसका इंतज़ार नहीं कर रहा होगा, और ऐसे समय आएगा
जब उसे पता भी नहीं होगा,
51 और उसे टुकड़े-टुकड़े करके उसका भाग कपटियों के साथ ठहराएंगे; वहां रोना और दांत पीसना होगा।

# मरकुस 13

1 जब वह मंदिर से बाहर जा रहा था, तो उसके चेलों में से एक ने उससे कहा, "गुरु, देखो यहाँ कैसे-कैसे पत्थर
और कैसी-कैसी इमारतें हैं!"
2 यीशु ने उत्तर दिया, " क्या तुम ये बड़ी-बड़ी इमारतें देखते हो? यहाँ एक भी पत्थर दूसरे पर नहीं छोड़ा जाएगा,
जिसे गिराया न जाएगा।"

3 और जब वह जैतून पहाड़ पर मंदिर के सामने बैठा था, तो पतरस, याकूब, यूहन्ना और अन्द्रियास ने अकेले में उससे पूछा,
4 हमें बताओ, ये बातें कब होंगी? और जब ये सब बातें पूरी होंगी, तो क्या निशानी होगी?
5 यीशु ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, " सावधान रहो, कहीं कोई तुम्हें धोखा न दे।"
6 क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम से आकर कहेंगे, कि मैं मसीह हूं, और बहुतों को धोखा देंगे।
7 और जब तुम लड़ाइयों और लड़ाइयों की अफवाहें सुनो, तो परेशान मत होना: क्योंकि ऐसी बातें तो होंगी ही; लेकिन अंत अभी नहीं होगा।
8 क्योंकि एक देश दूसरे देश पर, और एक राज्य दूसरे राज्य पर चढ़ाई करेगा; और जगह-जगह भूकंप आएंगे, और अकाल और मुसीबतें आएंगी; ये दुखों की शुरुआत हैं।
9 लेकिन खुद पर ध्यान दो, क्योंकि वे तुम्हें काउंसिल में सौंप देंगे; और तुम्हें सभाओं में पीटा जाएगा; और मेरे लिए तुम्हें हाकिमों और राजाओं के सामने लाया जाएगा, ताकि उनके खिलाफ गवाही हो।
10 और सबसे पहले सुसमाचार सभी देशों में प्रकाशित किया जाना चाहिए।
11 लेकिन जब वे तुम्हें ले जाकर सौंप दें, तो पहले से न सोचना कि तुम क्या कहोगे, न ही पहले से कुछ सोचना; बल्कि जो कुछ तुम्हें उस समय दिया जाएगा, वही कहना; क्योंकि बोलने वाले तुम नहीं हो, बल्कि पवित्र आत्मा है।
12 अब भाई अपने भाई को और पिता अपने बेटे को मौत के घाट उतार देंगे; और बच्चे अपने माता-पिता के खिलाफ उठकर उन्हें मौत के घाट उतार देंगे।
13 और मेरे नाम की वजह से सब लोग तुमसे नफ़रत करेंगे, लेकिन जो आखिर तक धीरज धरेगा, वही बचेगा।
14 लेकिन जब तुम उस उजाड़ने वाली घिनौनी चीज़ को, जिसके बारे में दानिय्येल नबी ने कहा था, वहाँ खड़ी देखो जहाँ उसे नहीं होना चाहिए, (जो पढ़े वह समझे), तो जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ।
15 और जो घर की छत पर हो, वह घर के अंदर न जाए और न घर में घुसकर कुछ ले जाए।
16 और जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा उठाने के लिए पीछे न लौटे।
17 उन दिनों में जो गर्भवती और दूध पिलाने वाली होंगी, उनके लिए हाय!
18 और प्रार्थना करो कि तुम्हें सर्दियों में भागना न पड़े।
19 क्योंकि उन दिनों ऐसा क्लेश होगा, जैसा परमेश्वर ने सृष्टि की शुरुआत से लेकर अब तक न तो हुआ और न कभी होगा।
20 और अगर प्रभु ने उन दिनों को छोटा न किया होता, तो कोई भी इंसान न बचता: लेकिन चुने हुए लोगों की वजह से, जिन्हें उसने चुना है, उसने उन दिनों को छोटा किया है।
21 और उस समय यदि कोई तुम से कहे, देखो, मसीह यहाँ है; या देखो, वह वहाँ है, तो उस पर विश्वास न करना।
22 क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और चिन्ह और चमत्कार दिखाएँगे, ताकि अगर हो सके तो चुने हुए लोगों को भी बहका सकें।
23 लेकिन तुम ध्यान रखना: देखो, मैंने तुम्हें सब बातें पहले ही बता दी हैं।
24 लेकिन उन दिनों में, उस मुसीबत के बाद, सूरज अंधेरा हो जाएगा, और चाँद अपनी रोशनी नहीं देगा,
25 और आकाश के तारे गिर पड़ेंगे, और आकाश की शक्तियां हिल जाएंगी।
26 और तब वे इंसान के बेटे को बड़ी ताकत और शान के साथ बादलों में आते देखेंगे।
27 और तब वह अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और चारों दिशाओं से, पृथ्वी के छोर से लेकर आकाश के छोर तक अपने चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेगा।
28 अब अंजीर के पेड़ की एक कहानी सीखो; जब उसकी डाली कोमल होती है, और उसमें पत्ते निकलते हैं, तो तुम जान लेते हो कि गर्मी का मौसम पास है।
29 इसी तरह जब तुम ये बातें होते देखो, तो जान लो कि वह पास है, दरवाज़े पर ही है।
30 मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि जब तक ये सब बातें न हो लें, तब तक यह पीढ़ी जाती नहीं।

31 आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी।
32 लेकिन उस दिन और उस घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के फ़रिश्ते, न बेटा, बल्कि सिर्फ़ पिता।
33 सावधान रहो, जागते रहो और प्रार्थना करो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि समय कब आएगा।
34 क्योंकि इंसान का बेटा उस आदमी जैसा है जो दूर सफ़र पर जा रहा था, जिसने अपना घर छोड़ा, और अपने नौकरों को अधिकार दिया, और हर एक को उसका काम दिया, और दरबान को जागते रहने का हुक्म दिया।
35 इसलिए तुम जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का मालिक कब आएगा, शाम को, या आधी रात को, या मुर्गे के बांग देने पर, या सुबह।
36 कहीं ऐसा न हो कि वह अचानक आकर तुम्हें सोता हुआ पाए।
37 और जो मैं तुम से कहता हूं, वही सब से कहता हूं, जागते रहो।

# लूका 21

1 और उसने ऊपर देखा, और अमीर लोगों को अपना दान खजाने में डालते देखा।
2 और उसने एक गरीब विधवा को भी वहाँ दो सिक्के डालते देखा।
3 तब उसने कहा, मैं तुमसे सच कहता हूं, कि इस गरीब विधवा ने उन सब से बढ़कर डाला है।
4 क्योंकि इन सब ने अपनी बढ़ती हुई चीज़ों में से परमेश्वर को भेंट चढ़ाई है, परन्तु इस ने अपनी गरीबी में से अपनी सारी जीविका डाल दी है।
5 और जब कुछ लोग मंदिर के बारे में कह रहे थे कि वह सुंदर पत्थरों और तोहफ़ों से सजा हुआ है, तो उसने कहा,
6 ये बातें जो तुम देख रहे हो, ऐसे दिन आएंगे, जिनमें एक भी पत्थर दूसरे पर न बचेगा, जो गिराया न जाएगा।
7 तब उन्होंने उससे पूछा, हे गुरु, ये बातें कब होंगी? और जब ये बातें होंगी, तब क्या चिन्ह होगा?
8 और उसने कहा, सावधान रहो कि तुम धोखा न खाओ; क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम से आकर कहेंगे, कि मैं मसीह हूं; और समय निकट है; इसलिए तुम उनके पीछे मत जाना।
9 लेकिन जब तुम लड़ाइयों और दंगों के बारे में सुनो, तो डरो मत: क्योंकि ये बातें पहले होंगी, लेकिन अंत तुरंत नहीं होगा।
10 तब उसने उनसे कहा, " एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र पर और एक राज्य दूसरे राज्य पर चढ़ाई करेगा।"
11 और अलग-अलग जगहों पर बड़े भूकंप आएंगे, अकाल और महामारियां फैलेंगी; और आसमान से डरावने नज़ारे और बड़े-बड़े निशान दिखेंगे।
12 लेकिन इन सबसे पहले, वे तुम्हें पकड़ेंगे, और सताएँगे, तुम्हें सभाओं में सौंपेंगे, और जेलों में डालेंगे, और मेरे नाम की वजह से राजाओं और हाकिमों के सामने ले जाएँगे।
13 और यह तुम्हारे लिए गवाही बन जाएगा।
14 इसलिए अपने दिल में यह तय कर लो कि पहले से यह न सोचो कि क्या जवाब देना है।
15 क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा मुँह और बुद्धि दूँगा, जिसे तुम्हारे सब दुश्मन न तो झुठला पाएँगे और न ही उसका सामना कर पाएँगे।
16 और तुम्हारे माता-पिता, भाई, रिश्तेदार और दोस्त तुम्हें धोखा देंगे; और तुममें से कुछ को वे मौत की सज़ा भी देंगे।
17 और मेरे नाम के कारण सब लोग तुमसे नफ़रत करेंगे।
18 परन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल भी बाँका न होगा।
19 अपने सब्र से अपनी जान बचाओ।
20 और जब तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखो, तो जान लेना कि उसका विनाश निकट है।

21 तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएं; और जो उसके बीच में हों वे निकल जाएं; और जो देहातों में हों वे उसमें न जाएं।
22 क्योंकि ये बदला लेने के दिन हैं, ताकि जो कुछ लिखा है वह पूरा हो जाए।
23 लेकिन उन दिनों में जो गर्भवती हैं और जो दूध पिलाती हैं, उनके लिए अफ़सोस की बात होगी! क्योंकि देश में बहुत संकट होगा, और इन लोगों पर बहुत गुस्सा आएगा।
24 और वे तलवार की धार से मारे जाएँगे, और सब देशों में बंदी बनाकर ले जाए जाएँगे; और यरूशलेम को गैर-यहूदी रौंदते रहेंगे, जब तक कि गैर-यहूदियों का समय पूरा न हो जाए।
25 और सूरज, चाँद और तारों में निशान होंगे; और धरती पर देशों में मुसीबत और घबराहट होगी; समुद्र और लहरें गरजेंगी;
26 डर के मारे और धरती पर आने वाली घटनाओं की चिंता करते हुए लोगों के दिल बैठ जाएंगे, क्योंकि स्वर्ग की शक्तियां हिल जाएंगी।
27 और तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और बड़ी महिमा के साथ बादल में आते देखेंगे।
28 और जब ये बातें होने लगें, तो ऊपर देखो और अपने सिर ऊपर उठाओ; क्योंकि तुम्हारा छुटकारा निकट है।
29 और उसने उनसे एक दृष्टान्त कहा; देखो, अंजीर का पेड़ और सब पेड़;
30 जब वे अब बाहर निकलते हैं, तो तुम खुद देखते हो और जानते हो कि गर्मी का मौसम अब पास आ गया है।
31 इसी तरह जब तुम ये बातें होती देखो, तो जान लो कि परमेश्वर का राज्य पास है।
32 मैं तुमसे सच कहता हूँ, यह पीढ़ी तब तक नहीं जाएगी जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए।
33 आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी।
34 और अपना ध्यान रखना, कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारे दिल खाने-पीने, नशे और इस ज़िंदगी की चिंताओं से भर जाएं, और वह दिन तुम पर अचानक आ जाए।
35 क्योंकि यह सारी पृथ्वी पर रहने वाले सब लोगों पर एक फंदे की तरह आएगा।
36 इसलिए तुम जागते रहो और हमेशा प्रार्थना करते रहो, ताकि तुम इन सब आने वाली बातों से बचने और इंसान के बेटे के सामने खड़े होने के लायक समझे जाओ।
37 और दिन में वह मंदिर में सिखाता था; और रात को बाहर जाकर उस पहाड़ पर रहता था जिसे जैतून का पहाड़ कहा जाता है।
38 और सब लोग सुबह-सुबह मंदिर में उसके पास आते थे, ताकि उसकी बातें सुन सकें।

# इंजील में मूसा की बनाई पाँच पुस्तकों

अब प्रभु ने अब्राम से कहा, अपने देश, अपने खानदान और अपने पिता के घर से निकलकर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा। और मैं तुझसे एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीर्वाद दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा; और तू आशीर्वाद का कारण होगा। और जो तुझे आशीर्वाद देंगे, मैं उन्हें आशीर्वाद दूंगा, और जो तुझे शाप देगा, उसे शाप दूंगा; और तेरे द्वारा पृथ्वी के सभी परिवार आशीर्वाद पाएंगे। उत्पत्ति 12:1-3

उसी दिन यहोवा ने अब्राम से यह वादा किया, "मैंने तेरे वंश को यह देश दिया है, मिस्र की नदी से लेकर बड़ी नदी फरात तक: केनी, केनिज्जी, कदमोनी, हित्ती, परिज्जी, रपाई, एमोरी, कनानी, गिर्गाशी और यबूसी।" उत्पत्ति 15:18-21

और मैं तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को वह देश दूँगा जिसमें तू परदेशी है, अर्थात् कनान की सारी भूमि, जो सदा के लिए उनकी संपत्ति होगी; और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। उत्पत्ति 17:8

और परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं यहोवा हूँ: और मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर के नाम से अब्राहम, इसहाक और याकूब को दिखाई दिया, लेकिन मेरे नाम यहोवा से वे मुझे नहीं जानते थे। और मैंने उनके साथ अपना वादा भी पक्का किया है, कि उन्हें कनान देश दूँगा, वह देश जहाँ वे यात्रा करते थे, जहाँ वे अजनबी थे। निर्गमन 6:2-4
मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुम्हें मिस्र देश से निकालकर कनान देश देने और तुम्हारा परमेश्वर बनने के लिए लाया हूँ। लैव्यव्यवस्था 25:38

तुम घूमो और अपनी यात्रा शुरू करो, और एमोरियों के पहाड़ पर जाओ, और उसके आस-पास की सभी जगहों पर, मैदान में, पहाड़ियों में, और घाटी में, और दक्षिण में, और समुद्र के किनारे, कनानियों की ज़मीन पर, और लेबनान तक, बड़ी नदी, फरात तक जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे सामने ज़मीन रखी है: जाओ और उस ज़मीन पर कब्ज़ा करो जिसे यहोवा ने तुम्हारे पूर्वजों, अब्राहम, इसहाक और याकूब से कसम खाई थी कि वह उन्हें और उनके बाद उनके वंश को देगा। व्यवस्थाविवरण 1:7-8

क्योंकि अगर तुम इन सभी आज्ञाओं का ध्यान से पालन करोगे जो मैं तुम्हें देता हूँ, उन्हें मानोगे, अपने परमेश्वर यहोवा से प्यार करोगे, उसके सब मार्गों पर चलोगे, और उससे लिपटे रहोगे; तो यहोवा इन सभी राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से निकाल देगा, और तुम अपने से बड़े और ताकतवर राष्ट्रों के अधिकारी हो जाओगे। हर जगह जहाँ तुम्हारे पैर पड़ेंगे वह तुम्हारी होगी: जंगल और लेबनान से, फरात नदी से, यहाँ तक कि सबसे गहरे समुद्र तक तुम्हारा किनारा होगा। कोई भी तुम्हारे सामने खड़ा नहीं हो पाएगा: क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा उस सारी ज़मीन पर तुम्हारा डर और खौफ पैदा कर देगा जिस पर तुम चलोगे, जैसा उसने तुमसे कहा है। व्यवस्थाविवरण 11:22-25

अबारीम पहाड़ पर चढ़ो, नेबो पहाड़ पर, जो मोआब देश में है, और यरीहो के सामने है; और कनान देश को देखो, जिसे मैं इस्राएलियों को अधिकार में देता हूँ: व्यवस्थाविवरण 32:49

# इतिहास

यहोवा के सेवक मूसा की मौत के बाद, यहोवा ने मूसा के सेवक, नून के बेटे यहोशू से कहा, "मेरा सेवक मूसा मर गया है; इसलिए अब उठो, और इस यरदन नदी को पार करके उस देश में जाओ जो मैं उन्हें, यानी इस्राएलियों को देता हूँ। जिस भी जगह पर तुम्हारे पैर पड़ेंगे, वह सब मैंने तुम्हें दे दिया है, जैसा मैंने मूसा से कहा था। जंगल और इस लेबनान से लेकर बड़ी नदी, फरात नदी तक, हित्तियों की सारी ज़मीन, और सूरज डूबने की तरफ बड़े समुद्र तक, तुम्हारी सरहद होगी। तुम्हारी ज़िंदगी भर कोई भी तुम्हारे सामने खड़ा नहीं रह पाएगा: जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही तुम्हारे साथ भी रहूँगा: मैं तुम्हें धोखा नहीं दूँगा, न ही तुम्हें छोड़ूँगा। मज़बूत और हिम्मत वाले बनो: क्योंकि इन लोगों को वह ज़मीन विरासत में दोगे, जिसे देने की कसम मैंने उनके पुरखों से खाई थी। यहोशू 1:1-6

और ये वे देश हैं जो इस्राएल के बच्चों को कनान देश में विरासत में मिले, जिन्हें एलीआजर पुजारी, नून के बेटे यहोशू, और इस्राएल के बच्चों के गोत्रों के पितरों के मुखियाओं ने उन्हें विरासत में बांट दिया। यहोशू 14:1

दाऊद ने सोबा के राजा रहोब के बेटे हददेजेर को भी तब मारा, जब वह फरात नदी के पास अपनी सीमा वापस पाने जा रहा था। 2 शमूएल 8:3

यह उस वादे के बारे में है जो उसने अब्राहम से किया था, और इसहाक से की अपनी कसम के बारे में भी; और उसी को याकूब के लिए एक कानून और इस्राएल के लिए एक हमेशा का वादा करके पक्का किया, यह कहते हुए कि, मैं तुम्हें कनान देश दूँगा, जो तुम्हारी विरासत का हिस्सा होगा; जब तुम बहुत कम थे, बल्कि थोड़े से थे, और उसमें अजनबी थे। 1 इतिहास 16:16-19

और दाऊद ने सोबा के राजा हदारेज़र को हमात तक मारा, जब वह फरात नदी के किनारे अपना राज कायम करने जा रहा था। 1 इतिहास 18:3

# कविता

धन्य है वह राष्ट्र जिसका परमेश्वर यहोवा है; और वह लोग जिन्हें उसने अपनी विरासत के लिए चुना है। भजन 33:12

यह वाचा उसने अब्राहम से की थी, और इसहाक से अपनी कसम खाई थी; और उसी को याकूब के लिए एक नियम और इस्राएल के लिए एक हमेशा का वाचा बनाकर पक्का किया: यह कहते हुए, मैं तुम्हें कनान देश दूँगा, जो तुम्हारी विरासत का हिस्सा होगा: जब वे गिनती में थोड़े ही लोग थे; हाँ, बहुत कम, और उसमें अजनबी थे। भजन 105:9-12

जिसने बड़े-बड़े देशों को हराया, और ताकतवर राजाओं को मारा; एमोरियों के राजा सीहोन, बाशान के राजा ओग, और कनान के सभी राज्यों को: और उनकी ज़मीन विरासत के तौर पर, अपने लोगों इस्राएल को विरासत के तौर पर दे दी। हे यहोवा, तेरा नाम हमेशा रहेगा; और हे यहोवा, तेरा नाम हर पीढ़ी में याद किया जाएगा। भजन 135:10-13

# भविष्यवाणी

और उस दिन यिशै की एक जड़ होगी, जो लोगों के लिए एक निशानी होगी; गैर-यहूदी लोग उसे ढूँढ़ेंगे: और उसका आराम शानदार होगा। और उस दिन ऐसा होगा कि प्रभु अपने लोगों के बचे हुए लोगों को, जो अश्शूर, मिस्र, पत्रोस, कूश, एलाम, शिनार, हमात और समुद्र के द्वीपों से बचे रहेंगे, वापस लाने के लिए दूसरी बार अपना हाथ बढ़ाएगा। और वह राष्ट्रों के लिए एक झंडा खड़ा करेगा, और इस्राएल के निकाले हुए लोगों को इकट्ठा करेगा, और यहूदा के बिखरे हुए लोगों को पृथ्वी के चारों कोनों से इकट्ठा करेगा। यशायाह 11:10-12

और उस दिन ऐसा होगा कि यहोवा नदी के नाले से लेकर मिस्र की धारा तक वार करेगा, और हे इस्राएल के बच्चों, तुम एक-एक करके इकट्ठा होगे। और उस दिन ऐसा होगा कि बड़ा तुरही बजाया जाएगा, और वे लोग आएंगे जो असीरिया देश में मरने को तैयार थे, और मिस्र देश में निकाले गए लोग, और यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा की आराधना करेंगे। यशायाह 27:12-13

परन्तु अब हे याकूब, हे इस्राएल, तेरा सृजनहार यहोवा, और हे इस्राएल, तेरा रचनेवाला यहोवा यों कहता है, मत डर, क्योंकि मैं ने तुझे छुड़ा लिया है, मैं ने तुझे नाम लेकर बुलाया है; तू मेरा ही है। जब तू जल में होकर जाए, मैं

तेरे संग रहूंगा; और नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबाएंगी; जब तू आग में चले, तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी। क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा, इस्राएल का पवित्र परमेश्वर, तेरा उद्धारकर्ता हूं: मैंने तेरी छुड़ौती में मिस्र और तेरे बदले कूश और सबा को दिया। चूंकि तू मेरी दृष्टि में अनमोल था, तू आदरणीय था, और मैंने तुझ से प्रेम रखा है: इस कारण मैं तेरे बदले मनुष्य और तेरे प्राण के बदले राज्य राज्य दूंगा। मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूं: मैं तेरे वंश को पूर्व से लाऊंगा, और पश्चिम से इकट्ठा करूंगा; मैं उत्तर से कहूंगा, छोड़ दे; और दक्षिण से कहो, पीछे मत हटो; मेरे बेटों को दूर से और मेरी बेटियों को धरती के कोने-कोने से ले आओ; हर एक को जो मेरे नाम से पुकारा जाता है: क्योंकि मैंने उसे अपनी शान के लिए बनाया है, मैंने उसे बनाया है; हाँ, मैंने उसे बनाया है। यशायाह 43:1-7

हे द्वीपों, मेरी बात सुनो; और हे दूर के लोगों, ध्यान से सुनो; यहोवा ने मुझे गर्भ से बुलाया है; मेरी माँ के पेट से ही उसने मेरा नाम बताया है। और उसने मेरे मुँह को तेज़ तलवार जैसा बनाया है; अपने हाथ की छाया में उसने मुझे छिपाया है, और मुझे एक चमकीला तीर बनाया है; अपने तरकश में उसने मुझे छिपाया है; और मुझसे कहा, हे इस्राएल, तू मेरा सेवक है, जिसमें मेरी बड़ाई होगी। तब मैंने कहा, मैंने बेकार में मेहनत की है, मैंने अपनी ताकत बेकार में और बेकार में खर्च की है: फिर भी मेरा न्याय यहोवा के पास है, और मेरा काम मेरे परमेश्वर के पास है। और अब, यहोवा जिसने मुझे गर्भ से अपना सेवक बनाने के लिए बनाया, ताकि याकूब को उसके पास वापस ला सकूँ, वह कहता है, भले ही इस्राएल इकट्ठा न हो, फिर भी मैं यहोवा की नज़र में बड़ाई करूँगा, और मेरा परमेश्वर मेरी ताकत होगा। और उसने कहा, यह तो छोटी बात है कि तू याकूब के गोत्रों को उठाने और इस्राएल के बचे हुए लोगों को वापस लाने के लिए मेरा सेवक हो; मैं तुझे अन्यजातियों के लिए भी प्रकाश बनाऊंगा, ताकि तू पृथ्वी के छोर तक मेरा उद्धार हो। यशायाह 49:1-6

क्योंकि तेरा बनाने वाला तेरा पति है; सेनाओं का यहोवा उसका नाम है; और तेरा छुड़ाने वाला इस्राएल का पवित्र है; पूरी धरती का परमेश्वर वही कहलाएगा। क्योंकि यहोवा ने तुझे एक छोड़ी हुई और दुखी मन की औरत, और जवानी की पत्नी की तरह बुलाया है, जब तुझे ठुकरा दिया गया था, तेरा परमेश्वर कहता है। थोड़ी देर के लिए मैंने तुझे छोड़ा था; लेकिन बड़ी दया से मैं तुझे इकट्ठा करूँगा। थोड़े गुस्से में मैंने एक पल के लिए अपना चेहरा तुझसे छिपा लिया था; लेकिन हमेशा की दया से मैं तुझ पर दया करूँगा, यहोवा तेरा छुड़ाने वाला कहता है। यशायाह 54:5-8

प्रभु परमेश्वर जो इस्राएल के निकाले हुए लोगों को इकट्ठा करता है, वह कहता है, फिर भी मैं उसके पास औरों को भी इकट्ठा करूंगा, उनके अलावा जो उसके पास इकट्ठा हुए हैं। यशायाह 56:8

यहोवा कहता है, उन चरवाहों पर हाय जो मेरे चरागाह की भेड़ों को खत्म करते और तितर-बितर करते हैं। इसलिए इस्राएल का परमेश्वर यहोवा मेरे लोगों को चराने वाले चरवाहों से यह कहता है; तुमने मेरे झुंड को तितर-बितर कर दिया है, और उन्हें भगा दिया है, और उन पर ध्यान नहीं दिया: देखो, मैं तुम्हारे बुरे कामों का फल तुम्हें दूँगा, यहोवा कहता है। और मैं अपने झुंड के बचे हुए बच्चों को उन सभी देशों से इकट्ठा करूँगा जहाँ मैंने उन्हें भगा दिया है, और उन्हें वापस उनके बाड़े में लाऊँगा; और वे फलेंगे-फूलेंगे और बढ़ेंगे। और मैं उनके लिए चरवाहे नियुक्त करूँगा जो उन्हें चराएँगे: और वे फिर न डरेंगे, न घबराएँगे, न उनमें कमी होगी, यहोवा कहता है। यिर्मयाह 23:1-4

हां, सेनाओं का यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर, उन बर्तनों के बारे में जो यहोवा के भवन में, यहूदा के राजा के भवन में और यरूशलेम में रह गए हैं, यह कहता है; वे बेबीलोन ले जाए जाएंगे, और जब तक मैं उन पर ध्यान न दूं, तब तक वहीं रहेंगे, यहोवा कहता है; तब मैं उन्हें वापस लाऊंगा, और इस जगह पर वापस लाऊंगा। यिर्मयाह 27:21-22

क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं तुम्हारे बारे में क्या सोचता हूँ, यहोवा कहता है, शांति के विचार, बुरे के नहीं, ताकि तुम्हें उम्मीद के मुताबिक नतीजा मिले। तब तुम मुझे पुकारोगे, और तुम जाकर मुझसे प्रार्थना करोगे, और मैं तुम्हारी सुनूंगा। और तुम मुझे ढूँढ़ोगे, और पाओगे भी, जब तुम पूरे दिल से मुझे ढूँढ़ोगे। और मैं तुम्हें मिल जाऊँगा, यहोवा कहता है: और मैं तुम्हारी गुलामी दूर कर दूँगा, और मैं तुम्हें सब देशों से, और उन सब जगहों से इकट्ठा करूँगा जहाँ से मैंने तुम्हें निकाल दिया है, यहोवा कहता है; और मैं तुम्हें उस जगह वापस ले आऊँगा जहाँ से मैंने तुम्हें बंदी बनाकर ले जाया था। यिर्मयाह 29:11-14

क्योंकि यहोवा यह कहता है; याकूब के लिए खुशी से गाओ, और राष्ट्रों के मुख्य लोगों के बीच जयजयकार करो: प्रचार करो, तारीफ़ करो, और कहो, हे यहोवा, अपने लोगों, इस्राएल के बचे हुए लोगों को बचा। देखो, मैं उन्हें उत्तर देश से लाऊँगा, और उन्हें धरती के किनारों से इकट्ठा करूँगा, और उनके साथ अंधे और लंगड़े, गर्भवती औरत और प्रसव पीड़ा से पीड़ित औरत को भी इकट्ठा करूँगा: एक बड़ी भीड़ वहाँ लौटेगी। वे रोते हुए आएँगे, और मैं विनती करते हुए उन्हें ले जाऊँगा: मैं उन्हें पानी की नदियों के किनारे सीधे रास्ते पर चलाऊँगा, जहाँ वे ठोकर नहीं खाएँगे: क्योंकि मैं इस्राएल का पिता हूँ, और एप्रैम मेरा जेठा है। हे राष्ट्रों, यहोवा का वचन सुनो, और दूर के द्वीपों में इसका ऐलान करो, और कहो, जिसने इस्राएल को तितर-बितर किया था, वही उसे इकट्ठा करेगा, और उसकी रक्षा करेगा, जैसे चरवाहा अपने झुंड की करता है। क्योंकि यहोवा ने याकूब को छुड़ा लिया है, और उसे उससे ताकतवर के हाथ से छुड़ा लिया है। यिर्मयाह 31:7-11

और अब इस्राएल का परमेश्वर यहोवा इस शहर के बारे में यह कहता है, जिसके बारे में तुम कहते हो, कि यह तलवार, अकाल और महामारी से बेबीलोन के राजा के हाथ में पड़ जाएगा; देखो, मैं उन्हें उन सब देशों से इकट्ठा करूँगा, जहाँ मैंने उन्हें अपने गुस्से, रोष और बड़े गुस्से में भगा दिया था; और मैं उन्हें इस जगह पर वापस लाऊँगा, और उन्हें सुरक्षित रहने दूँगा: और वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा: और मैं उन्हें एक दिल और एक रास्ता दूँगा, कि वे हमेशा मेरा डर मानें, ताकि उनका और उनके बाद उनके बच्चों का भला हो: और मैं उनके साथ एक हमेशा का वादा करूँगा, कि मैं उनका भला करने से कभी मुँह नहीं मोड़ूँगा; बल्कि मैं उनके दिलों में अपना डर डालूँगा, कि वे मुझसे दूर न जाएँ। हाँ, मैं उनका भला करने में खुश होऊँगा, और मैं उन्हें इस देश में अपने पूरे दिल और अपनी पूरी आत्मा से ज़रूर बसाऊँगा। क्योंकि यहोवा यह कहता है; जैसे मैंने इन लोगों पर यह सारी बड़ी बुराई लाई है, वैसे ही मैं उन पर वह सारी भलाई भी लाऊँगा जिसका मैंने उनसे वादा किया है। यिर्मयाह 32:36-42

फिर यहोवा का वचन मेरे पास आया, और कहा, हे मनुष्य के सन्तान, तेरे भाई, तेरे कुटुम्ब के लोग, और इस्राएल का सारा घराना, ये वे लोग हैं जिनसे यरूशलेम के रहने वालों ने कहा है, यहोवा से दूर हो जाओ; यह देश हमें अधिकार में दिया गया है। इसलिए कहो, यहोवा यहोवा यों कहता है; यद्यपि मैंने उन्हें अन्यजातियों के बीच दूर कर दिया है, और यद्यपि मैंने उन्हें देशों में तितर-बितर कर दिया है, तौभी जिन देशों में वे आएंगे, वहां मैं उनके लिए एक छोटा सा शरणस्थान ठहरूंगा। इसलिए कहो, यहोवा यहोवा यों कहता है; मैं तुम्हें लोगों में से इकट्ठा करूंगा, और उन देशों से इकट्ठा करूंगा जहां तुम तितर-बितर हो गए हो, और मैं तुम्हें इस्राएल की भूमि दूंगा। और वे वहां आएंगे, और वहां से सब घिनौनी वस्तुएं और सब घिनौने काम दूर कर देंगे। और मैं उन्हें एक मन दूंगा, और तुम्हारे भीतर एक नई आत्मा डालूंगा; और मैं उनके शरीर से पत्थर का दिल निकालकर उन्हें मांस का दिल दूंगा; ताकि वे मेरे नियमों पर चलें, और मेरे नियमों को मानें, और उन्हें मानें; और वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा। यहेजकेल 11:14-20

और मैं तुम्हें लोगों में से निकालूंगा, और उन देशों से इकट्ठा करूंगा जहां तुम बिखरे हुए हो, एक ताकतवर हाथ से, और एक फैली हुई भुजा से, और गुस्से से भरकर। जब मैं तुम्हें लोगों में से निकालूंगा, और उन देशों से

इकट्ठा करूंगा जहां तुम बिखरे हुए हो, तो मैं तुम्हें तुम्हारी मीठी खुशबू से अपनाऊंगा; और मैं तुम्हारे ज़रिए दूसरे देशों के सामने पवित्र हो जाऊंगा। और तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूं, जब मैं तुम्हें इस्राएल देश में, उस देश में ले जाऊंगा जिसके लिए मैंने तुम्हारे पूर्वजों को देने का हाथ उठाया था। यहेजकेल 20:34,41-42

प्रभु यहोवा यह कहता है; जब मैं इस्राएल के घराने को उन लोगों में से इकट्ठा कर लूँगा जिनके बीच वे बिखरे हुए हैं, और गैर-यहूदियों की नज़र में उनमें पवित्र ठहराए जाएँगे, तब वे उस ज़मीन पर रहेंगे जो मैंने अपने सेवक याकूब को दी है। और वे उसमें सुरक्षित रहेंगे, और घर बनाएंगे, और अंगूर के बाग लगाएंगे; हाँ, जब मैं उनके आस-पास के उन सभी लोगों को सज़ा दूँगा जो उन्हें बुरा समझते हैं, तब वे भरोसे के साथ रहेंगे; और वे जान जाएँगे कि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ। यहेजकेल 28:25-26

क्योंकि प्रभु यहोवा यों कहता है, देख, मैं आप ही अपनी भेड़ों की खोज करूंगा और उन्हें ढूंढूंगा। जैसे चरवाहा अपने झुंड को उस दिन ढूंढ़ता है जब वह अपनी बिखरी हुई भेड़ों के बीच होता है, वैसे ही मैं भी अपनी भेड़ों को ढूंढ़ूंगा और उन सब स्थानों से जहां जहां वे बादल और अन्धकार भरे दिन में बिखरी हुई हों, छुड़ाऊंगा। और मैं उन्हें लोगों के बीच से निकालूंगा, और देशों से इकट्ठा करूंगा, और उनके निज देश में पहुंचाऊंगा, और उन्हें इस्राएल के पहाड़ों पर नदियों के किनारे, और देश के सब बसे हुए स्थानों में चराऊंगा। मैं उन्हें अच्छे चरागाह में चराऊंगा, और इस्राएल के ऊंचे पहाड़ों पर उनकी भेड़शाला होगी; वहां वे अच्छे चरागाह में लेटेंगी, और इस्राएल के पहाड़ों पर उत्तम चरागाह में चरेंगी। मैं अपने झुंड को चराऊंगा, और उन्हें लिटाऊंगा, प्रभु यहोवा यों कहता है। जो खो गई है उसे मैं ढूंढूंगा, और जो भगाई गई है उसे वापस लाऊंगा, और जो टूटी है उसे मैं बांधूंगा, और जो बीमार है उसे बलवन्त करूंगा; परन्तु जो मोटी और बलवन्त है उसे मैं नाश कर दूंगा; मैं उन्हें न्याय से खिलाऊंगा। यहेजकेल 34:11-16

इसलिए इस्राएल के घराने से कहो, हे इस्राएल के घराने, मैं यह तुम्हारे लिए नहीं, बल्कि अपने पवित्र नाम के लिए कर रहा हूँ, जिसे तुमने उन जातियों के बीच अपवित्र किया है, जहाँ तुम गए थे। और मैं अपने महान नाम को पवित्र करूँगा, जिसे जातियों के बीच अपवित्र किया गया था, जिसे तुमने उनके बीच अपवित्र किया था; और जब मैं उनकी आँखों के सामने तुम्हारे बीच पवित्र हो जाऊँगा, तो वे जातियाँ जान जाएँगी कि मैं यहोवा हूँ, यहोवा यहोवा की यही वाणी है। क्योंकि मैं तुम्हें जातियों के बीच से निकालूँगा, और सभी देशों से इकट्ठा करूँगा, और तुम्हें तुम्हारे अपने देश में ले आऊँगा। तब मैं तुम पर साफ पानी छिड़कूँगा, और तुम साफ हो जाओगे: तुम्हारी सारी गंदगी, और तुम्हारी सभी मूर्तियों से, मैं तुम्हें शुद्ध करूँगा। मैं तुम्हें एक नया दिल भी दूँगा, और तुम्हारे अंदर एक नई आत्मा डालूँगा: और मैं तुम्हारे शरीर से पत्थर का दिल निकाल दूँगा, और तुम्हें एक मांस का दिल दूँगा। और मैं अपनी आत्मा तुम्हारे अंदर डालूंगा, और तुम्हें मेरे नियमों पर चलने दूंगा, और तुम मेरे नियमों को मानोगे, और उन्हें मानोगे। और तुम उस देश में रहोगे जो मैंने तुम्हारे पूर्वजों को दिया था; और तुम मेरे लोग होगे, और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा। यहेजकेल 36:22-28

और उनसे कह, प्रभु यहोवा यों कहता है, देखो, मैं इस्राएलियों को उन जातियों के बीच से ले आऊंगा, जहां वे चले गए हैं, और चारों ओर से इकट्ठा करूंगा, और उनके निज देश में ले आऊंगा। और मैं उन्हें इस्राएल के पहाड़ों पर देश में एक ही राष्ट्र बनाऊंगा; और उन सब का एक ही राजा होगा; और वे फिर दो राष्ट्र न रहेंगे, और न वे फिर कभी दो राज्यों में बंटे रहेंगे; और न वे अपनी मूरतों, न घिनौनी वस्तुओं, न अपने किसी अपराध से अपने को फिर अशुद्ध करेंगे; वरन मैं उन्हें उनके सब घरों से, जहां उन्होंने पाप किया है, छुड़ाऊंगा, और शुद्ध करूंगा; तब वे मेरी प्रजा ठहरेंगे, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूंगा। और मेरा दास दाऊद उनका राजा होगा; और उन सभों का एक ही चरवाहा होगा; वे मेरे नियमों पर चलेंगे, और मेरी विधियों को मानेंगे, और उनके अनुसार चलेंगे। और वे उस देश में बसेंगे जो मैंने अपने दास याकूब को दिया है, जिसमें तुम्हारे पुरखे रहते थे; और वे, उनके बच्चे और उनके पोतों के बच्चे हमेशा उसमें रहेंगे: और मेरा सेवक दाऊद हमेशा उनका

राजकुमार रहेगा। इसके अलावा, मैं उनके साथ शांति का एक करार करूँगा; यह उनके साथ हमेशा का करार होगा: और मैं उन्हें बसाऊँगा, और उनकी संख्या बढ़ाऊँगा, और उनके बीच हमेशा के लिए अपना पवित्र स्थान रखूँगा। मेरा डेरा भी उनके साथ रहेगा: हाँ, मैं उनका परमेश्वर होऊँगा, और वे मेरे लोग होंगे। और जब मेरा पवित्र स्थान उनके बीच हमेशा के लिए रहेगा, तो अन्यजातियों को पता चल जाएगा कि मैं यहोवा इस्राएल को पवित्र करता हूँ। यहेजकेल 37:21-28

इसलिए प्रभु यहोवा यह कहता है; अब मैं याकूब को बंदी बनाकर वापस लाऊँगा, और इस्राएल के पूरे घराने पर दया करूँगा, और अपने पवित्र नाम के लिए जलन रखूँगा; जब वे अपनी शर्म और अपने सारे गुनाह सह लेंगे जो उन्होंने मेरे खिलाफ किए थे, जब वे अपनी ज़मीन पर सुरक्षित रहते थे, और कोई उन्हें डराता नहीं था। जब मैं उन्हें लोगों के बीच से वापस लाऊँगा, और उन्हें उनके दुश्मनों की ज़मीन से इकट्ठा करूँगा, और बहुत सी जातियों के सामने उनके द्वारा पवित्र हो जाऊँगा; तब वे जान लेंगे कि मैं ही उनका प्रभु परमेश्वर हूँ, जिसने उन्हें दूसरे देशों के बीच बंदी बनाकर ले जाया था: लेकिन मैंने उन्हें उनकी अपनी ज़मीन पर इकट्ठा किया है, और उनमें से किसी को भी वहाँ नहीं छोड़ा है। और मैं उनसे अपना चेहरा फिर कभी नहीं छिपाऊँगा: क्योंकि मैंने इस्राएल के घराने पर अपनी आत्मा उंडेल दी है, प्रभु यहोवा यह कहता है। यहेजकेल 39:25-29

फिर भी इस्राएल के बच्चों की गिनती समुद्र की रेत जितनी होगी, जिसे मापा या गिना नहीं जा सकता; और ऐसा होगा कि जिस जगह उनसे कहा गया था, तुम मेरे लोग नहीं हो, वहीं उनसे कहा जाएगा, तुम जीवित परमेश्वर के बेटे हो। तब यहूदा और इस्राएल के बच्चे इकट्ठे होंगे, और अपने लिए एक मुखिया बना लेंगे, और वे देश से निकल आएंगे: क्योंकि यिज्रेल का दिन महान होगा। होशे 1:10-11

इस्राएल निगल लिया गया है: अब वे गैर-यहूदियों के बीच ऐसे बर्तन की तरह हो जाएँगे जिसमें कोई मज़ा नहीं है। क्योंकि वे अश्शूर चले गए हैं, एक जंगली गधे की तरह अकेले: एप्रैम ने प्रेमियों को किराए पर लिया है। हाँ, हालाँकि उन्होंने राष्ट्रों के बीच किराए पर लिया था, अब मैं उन्हें इकट्ठा करूँगा, और वे राजकुमारों के राजा के बोझ के लिए थोड़ा दुखी होंगे। होशे 8:8-10

हे याकूब, मैं तुम सबको ज़रूर इकट्ठा करूँगा; मैं इस्राएल के बचे हुए लोगों को ज़रूर इकट्ठा करूँगा; मैं उन्हें बोस्रा की भेड़ों की तरह, उनके बाड़े के बीच झुंड की तरह इकट्ठा करूँगा: वे लोगों की भीड़ की वजह से बहुत शोर मचाएँगे। मीका 2:12

यहोवा कहता है, उस दिन मैं लंगड़ों को इकट्ठा करूंगा, और निकाले हुए को और जिसे मैंने दुख दिया है, उसे भी इकट्ठा करूंगा; और लंगड़ों को बचा हुआ और दूर फेंके हुए को एक मजबूत राष्ट्र बनाऊंगा; और यहोवा अब से हमेशा के लिए सिय्योन पर्वत पर उन पर राज करेगा। मीका 4:6-7

हे सिय्योन की बेटी, गाओ; हे इस्राएल, जयजयकार करो; हे यरूशलेम की बेटी, पूरे दिल से खुश हो और आनंद मनाओ। यहोवा ने तुम्हारे न्याय दूर कर दिए हैं, उसने तुम्हारे दुश्मन को निकाल दिया है: इस्राएल का राजा, यहोवा, तुम्हारे बीच में है: तुम फिर कभी बुराई नहीं देखोगे। उस दिन यरूशलेम से कहा जाएगा, डरो मत: और सिय्योन से, अपने हाथ ढीले मत पड़ने दो। यहोवा तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे बीच में शक्तिशाली है; वह बचाएगा, वह तुम्हारे ऊपर खुशी से झूमेगा; वह अपने प्यार में आराम करेगा, वह गाते हुए तुम्हारे ऊपर खुश होगा। मैं उन लोगों को इकट्ठा करूँगा जो पवित्र सभा के लिए दुखी हैं, जो तुम्हारे हैं, जिनके लिए इसकी बदनामी एक बोझ थी। देखो, उस समय मैं उन सभी को दूर करूँगा जो तुम्हें परेशान करते हैं: और मैं उसे बचाऊंगा जो लंगड़ी है, और उसे इकट्ठा करूंगा जिसे निकाल दिया गया था; और मैं उन्हें हर उस देश में तारीफ और नाम दिलाऊंगा जहां उन्हें शर्मिंदा किया गया है। उस समय मैं तुम्हें वापस लाऊंगा, उसी समय जब मैं तुम्हें इकट्ठा

करूंगा; क्योंकि जब मैं तुम्हारी आंखों के सामने तुम्हारी कैद को वापस कर दूंगा, तब मैं तुम्हें धरती के सभी लोगों के बीच एक नाम और तारीफ बनाऊंगा, यहोवा कहता है। सपन्याह 3:14-20

और मैं यहूदा के घराने को मज़बूत करूँगा, और यूसुफ के घराने को बचाऊँगा, और उन्हें वापस लाकर बसाऊँगा; क्योंकि मैंने उन पर दया की है: और वे ऐसे होंगे जैसे मैंने उन्हें छोड़ा ही नहीं था: क्योंकि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ, और उनकी सुनूँगा। और एप्रैम के लोग एक ताकतवर आदमी की तरह होंगे, और उनका दिल शराब से खुश होगा: हाँ, उनके बच्चे यह देखकर खुश होंगे; उनका दिल यहोवा में खुश होगा। मैं उनके लिए सीटी बजाऊँगा, और उन्हें इकट्ठा करूँगा; क्योंकि मैंने उन्हें छुड़ाया है: और वे वैसे ही बढ़ेंगे जैसे वे बढ़े थे। और मैं उन्हें लोगों के बीच बोऊँगा: और वे दूर देशों में मुझे याद करेंगे; और वे अपने बच्चों के साथ रहेंगे, और वापस लौटेंगे। मैं उन्हें मिस्र देश से भी वापस लाऊँगा, और अश्शूर से इकट्ठा करूँगा; और मैं उन्हें गिलाद और लेबनान देश में ले आऊँगा; और उनके लिए जगह नहीं मिलेगी। जकर्याह 10:6-10

# नया करार

इसलिए जब वे इकट्ठा हुए, तो उन्होंने उससे पूछा, "हे प्रभु, क्या आप इसी समय इस्राएल को राज्य वापस दे देंगे?" उसने उनसे कहा, " समय या मौसम को जानना तुम्हारा काम नहीं है, जिसे पिता ने अपने अधिकार में रखा है। लेकिन जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तो तुम्हें शक्ति मिलेगी: और तुम यरूशलेम, और सारे यहूदिया, और सामरिया, और पृथ्वी के कोने-कोने तक मेरे गवाह होगे।" प्रेरितों के काम 1:6-8

ताकि समय के पूरे होने पर वह सब कुछ मसीह में इकट्ठा करे, चाहे वह स्वर्ग में हो या पृथ्वी पर, उसी में। इफिसियों 1:10

अब हम तुमसे, भाइयों, हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने और उनके पास हमारे इकट्ठा होने के बारे में विनती करते हैं, कि तुम जल्द ही मन में डगमगाओ या परेशान मत हो, न तो आत्मा से, न शब्दों से, न ही हमारी तरफ से लिखे पत्र से, जैसे कि मसीह का दिन पास है। कोई भी तुम्हें किसी भी तरह से धोखा न दे: क्योंकि वह दिन तब तक नहीं आएगा, जब तक पहले पतन न हो जाए, और वह पापी आदमी, विनाश का बेटा, प्रकट न हो जाए; जो विरोध करता है और खुद को उन सबसे ऊपर रखता है जिन्हें भगवान कहा जाता है, या जिनकी पूजा की जाती है; ताकि वह भगवान के रूप में भगवान के मंदिर में बैठे, और खुद को भगवान होने का दिखावा करे। 2 थिस्सलुनीकियों 2:1-4

# अपोक्रिफा

तब टोबिट ने खुशी की प्रार्थना लिखी, और कहा, धन्य है वह परमेश्वर जो हमेशा जीवित रहता है, और धन्य है उसका राज्य। क्योंकि वह कोड़े मारता है, और दया भी करता है; वह नरक में ले जाता है, और फिर से ऊपर लाता है: न ही कोई उसके हाथ से बच सकता है। हे इस्राएल के बच्चों, गैर-यहूदियों के सामने उसे मान लो: क्योंकि उसने हमें उनके बीच बिखेर दिया है। वहाँ उसकी महानता का ऐलान करो, और सभी जीवित लोगों के सामने उसकी बड़ाई करो: क्योंकि वह हमारा प्रभु है, और वह हमेशा के लिए हमारा परमेश्वर पिता है। और वह हमारे अधर्म के कामों के लिए हमें कोड़े मारेगा, और फिर से दया करेगा, और हमें उन सभी देशों से इकट्ठा करेगा, जिनके बीच उसने हमें बिखेर दिया है। टोबिट 13:1-5

याकूब के सभी गोत्रों को इकट्ठा करो, और शुरू से ही उनके वारिस बनो। हे प्रभु, उन लोगों पर दया करो जो तुम्हारे नाम से जाने जाते हैं, और इस्राएल पर, जिसका नाम तुमने अपने जेठे बच्चे के रूप में रखा है। सभोपदेशक 36:11-12

हे यरूशलेम, अपने चारों ओर पूरब की ओर देख, और उस खुशी को देख जो परमेश्वर की ओर से तेरे पास आ रही है। देख, तेरे बेटे आ रहे हैं, जिन्हें तूने भेजा था, वे पवित्र परमेश्वर के वचन से पूरब से पश्चिम तक इकट्ठे होकर आ रहे हैं, और परमेश्वर की महिमा में आनन्दित हो रहे हैं। बारूक 4:36-37

हे यरूशलेम, उठ और ऊँचे स्थान पर खड़ी हो, और पूरब की ओर देख, और देख तेरे बच्चे पवित्र परमेश्वर के वचन से पश्चिम से पूरब की ओर इकट्ठे हुए हैं, और परमेश्वर की याद में आनन्दित हो रहे हैं। बारूक 5:5

और प्रार्थना इस तरह थी; हे प्रभु, हे प्रभु परमेश्वर, सब चीज़ों के बनाने वाले, जो डरावने और मज़बूत, और नेक, और दयालु, और अकेले और कृपालु राजा हैं, सब चीज़ों के अकेले देने वाले, अकेले न्यायी, सर्वशक्तिमान और हमेशा रहने वाले, तूने इस्राएल को हर मुसीबत से बचाया, और पूर्वजों को चुना, और उन्हें पवित्र किया: अपने पूरे लोगों इस्राएल के लिए बलिदान स्वीकार कर, और अपना हिस्सा बचाकर रख, और उसे पवित्र कर। जो हमसे बिखरे हुए हैं उन्हें इकट्ठा कर, जो गैर-यहूदियों के बीच सेवा करते हैं उन्हें छुड़ा, उन पर नज़र डाल जिनसे नफ़रत की जाती है और जिनसे नफ़रत की जाती है, और गैर-यहूदियों को पता चले कि तू हमारा परमेश्वर है। 2 मैकाबीज़ 1:24-27

हम यह भी उम्मीद करते हैं कि जिस परमेश्वर ने अपने सभी लोगों को बचाया, और जैसा उसने कानून में वादा किया था, उन्हें विरासत, राज्य, पुजारी और पवित्र जगह दी, वह जल्द ही हम पर दया करेगा, और हमें आसमान के नीचे की हर ज़मीन से पवित्र जगह पर इकट्ठा करेगा: क्योंकि उसने हमें बड़ी मुसीबतों से बचाया है, और उस जगह को पवित्र किया है। 2 मैकाबीज़ 2:17-18

# जशर और जुबली

और यह कनान देश में अब्राम के रहने के पंद्रहवें साल की बात है, जो अब्राम की ज़िंदगी का सत्तरवाँ साल है, और उसी साल प्रभु अब्राम को दिखाई दिए और उन्होंने उससे कहा, मैं वही प्रभु हूँ जो तुम्हें ऊर कसदीम से निकालकर यह ज़मीन विरासत में देने आया हूँ। इसलिए अब मेरे सामने चलो और सही बनो और मेरी आज्ञाओं का पालन करो, क्योंकि मैं तुम्हें और तुम्हारे वंश को यह ज़मीन विरासत में दूँगा, मिज़रैम नदी से लेकर बड़ी नदी फरात तक। याशेर 13:17-18
और एसाव उठकर याकूब के पास लौट आया, और उसने वह सब किया जो इश्माएल के बेटे नेबायोत ने सलाह दी थी; और एसाव ने इसहाक का छोड़ा हुआ सारा धन, प्राण, जानवर, गाय-बैल और ज़मीन-जायदाद, और सारा धन ले लिया; उसने अपने भाई याकूब को कुछ नहीं दिया; और याकूब ने मिस्र के नाले से लेकर फरात नदी तक कनान की सारी ज़मीन ले ली, और उसे हमेशा के लिए, और अपने बच्चों और अपने बाद अपनी संतानों के लिए हमेशा के लिए ले लिया। और ये वो बातें हैं जो याकूब ने किताब में लिखीं, जिसमें कहा गया था: कनान की ज़मीन और हित्तियों, हिव्वियों, यबूसियों, एमोरियों, परिज्जियों और गेरगाशियों के सभी शहर, मिस्र की नदी से लेकर फरात नदी तक के सभी सात देश। याशेर 47:24,27

और मूसा की मौत के बाद प्रभु ने नून के बेटे जोशुआ से कहा, उठो और यरदन पार करके उस ज़मीन पर जाओ जो मैंने इस्राएल के बच्चों को दी है, और तुम इस्राएल के बच्चों को वह ज़मीन विरासत में दोगे। हर वह

जगह जहाँ तुम्हारे पैर पड़ेंगे, वह तुम्हारी होगी, लेबनान के जंगल से लेकर परात नदी तक तुम्हारी सीमा होगी। यशेर 88:1-3

और इसके बाद वे गैर-यहूदियों में से पूरे दिल, पूरी जान और पूरी ताकत से मेरी ओर मुड़ेंगे, और मैं उन्हें सभी गैर-यहूदियों में से इकट्ठा करूँगा, और वे मुझे ढूँढ़ेंगे, ताकि जब वे पूरे दिल और पूरी जान से मुझे ढूँढ़ेंगे, तो मैं उन्हें मिल जाऊँगा। जुबलीज़ 1:14

और उसने उससे कहा: 'मैं वही यहोवा हूँ जो तुम्हें कसदियों के ऊर से निकालकर लाया हूँ, ताकि तुम्हें कनानियों की ज़मीन दूँ ताकि तुम उस पर हमेशा के लिए कब्ज़ा कर सको; और मैं तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश का परमेश्वर रहूँगा।' और उस दिन यहोवा ने अब्राम से एक वादा किया, और कहा: 'मैं तुम्हारे वंश को यह ज़मीन दूँगा, मिस्र की नदी से लेकर बड़ी नदी, फरात तक, केनी, कनिज्जी, कदमोनी, परिज्जी, और रपाई, फकोरी, और हिव्वी, और एमोरी, और कनान, और गिर्गाशी, और यबूसी। जुबली 14:7,18

और मैं तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को वह देश दूँगा जहाँ तू परदेशी रहा है, अर्थात् कनान देश, कि तू उस पर सदा के लिए अधिकार रखे, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। जुबलीज़ 15:10

# ईडन की भूली हुई किताबें

और मैंने अपने पिता याकूब से कहा: तुम्हारे द्वारा यहोवा कनानियों को लूटेगा, और उनकी भूमि तुम्हें और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश को देगा। लेवी का नियम 3:10

और इन बातों के बाद तुम्हारे लिए खुद प्रभु (यीशु मसीह) उठेगा, जो नेकी की रोशनी है, और तुम अपने देश लौट जाओगे। और तुम उसे यरूशलेम में उसके नाम की वजह से देखोगे। और फिर अपने बुरे कामों से तुम उसे गुस्सा दिलाओगे, और वह तुम्हें खत्म होने तक दूर कर देगा। ज़ेबुलुन का नियम 2:32-35

और जब तुम कम हो जाओ और कम हो जाओ, तो तुम लौटकर अपने परमेश्वर यहोवा को मानो; और वह अपनी बहुत दया के अनुसार तुम्हें तुम्हारे देश में वापस ले आएगा। और ऐसा होगा कि जब वे अपने पुरखों के देश में आएंगे, तो वे फिर से परमेश्वर को भूल जाएंगे और पापी बन जाएंगे। और परमेश्वर उन्हें सारी धरती पर बिखेर देगा, जब तक कि परमेश्वर (यीशु मसीह) की दया न आ जाए, एक ऐसा आदमी जो दूर और पास सभी के लिए नेकी और दया करे। नप्ताली का नियम 1:30-32

# सुसमाचार - केवल यीशु मसीह ही बचाता है

और वह एक बेटा पैदा करेगी, और तू उसका नाम यीशु रखना: क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा। मैथ्यू 1:21

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यूहन्ना 3:16

यीशु ने उससे कहा, " मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ। मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" यूहन्ना 14:6

और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें। प्रेरितों के काम 4:12

क्योंकि मैंने तुम्हें सबसे पहले वही बताया जो मुझे भी मिला था, कि मसीह हमारे पापों के लिए शास्त्रों के अनुसार मरा; और उसे दफनाया गया, और शास्त्रों के अनुसार वह तीसरे दिन फिर जी उठा: 1 कुरिन्थियों 15:3-4

जिसमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात पापों की क्षमा, उसके अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। इफिसियों 1:7

चार सच हैं जिन्हें हमें पूरी तरह समझना चाहिए:

# 1. भगवान आपसे बहुत प्यार करते हैं।

वह चाहता है कि आप उसके साथ स्वर्ग में हमेशा की ज़िंदगी पाएं।
क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यूहन्ना 3:16

वह चाहता है कि उसके साथ आपका जीवन भरपूर और सार्थक हो।
चोर चोरी करने, मारने और नष्ट करने आता है। मैं इसलिए आया हूँ कि वे जीवन पाएँ, और वह भी बहुतायत से। यूहन्ना 10:10

इसके बावजूद, बहुत से लोग एक मतलब वाली ज़िंदगी का अनुभव नहीं कर पाते और उन्हें पक्का नहीं होता कि उनके पास हमेशा की ज़िंदगी है या नहीं क्योंकि...

# 2. मनुष्य स्वभाव से पापी है। इसीलिए वह परमेश्वर से अलग है।

सबने पाप किया है।
क्योंकि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं; रोमियों 3:23
क्योंकि धन का प्रेम सब बुराइयों की जड़ है... 1 तीमुथियुस 6:10

पाप का अंत बुरा ही होता है।
क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है... रोमियों 6:23

बाइबल में दो तरह की मौत बताई गई है:
• शारीरिक मृत्यु
और जैसे मनुष्य के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। इब्रानियों 9:27
• आध्यात्मिक मृत्यु या नरक में ईश्वर से हमेशा के लिए अलग होना
लेकिन डरपोक, अविश्वासी, घिनौने, हत्यारे, व्यभिचारी, जादूगर, मूर्तिपूजक और सभी झूठे लोगों का हिस्सा उस झील में होगा जो आग और गंधक से जलती है: जो दूसरी मौत है। प्रकाशितवाक्य 21:8

अगर इंसान अपने पाप की वजह से भगवान से दूर हो जाए, तो इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन क्या है? हम अक्सर सोचते हैं कि सॉल्यूशन हैं: धर्म, अच्छे काम और अच्छे व्यवहार। लेकिन भगवान की तरफ से इसका सिर्फ़ एक ही सॉल्यूशन है।

# 3. यीशु मसीह ही स्वर्ग जाने का एकमात्र रास्ता है।

यह भगवान की घोषणा है।
यीशु ने उससे कहा, मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ। मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता। यूहन्ना 14:6

उसने हमारे पापों की पूरी सज़ा भुगती।
क्योंकि मसीह ने भी, यानी अधर्मियों के लिए धर्मी ने, पापों के कारण एक बार दुख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास ले जाए, शरीर के भाव से तो मारा गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया। 1 पतरस 3:18
जिसमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात पापों की क्षमा, उसके अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। इफिसियों 1:7

उसे हमेशा की ज़िंदगी का वादा मिला है।
जो बेटे पर विश्वास करता है, उसे हमेशा की ज़िंदगी मिलती है। और जो बेटे पर विश्वास नहीं करता, वह ज़िंदगी नहीं देखेगा; बल्कि परमेश्वर का गुस्सा उस पर बना रहता है। यूहन्ना 3:36
क्योंकि पाप की मज़दूरी तो मौत है; लेकिन परमेश्वर का तोहफ़ा हमारे प्रभु यीशु मसीह के ज़रिए हमेशा की ज़िंदगी है। रोमियों 6:23

# 4. उद्धार पाने के लिए हमें यीशु मसीह पर विश्वास करना होगा।

हमारा उद्धार यीशु मसीह में विश्वास के ज़रिए परमेश्वर की कृपा से होता है।
क्योंकि तुम विश्वास के द्वारा अनुग्रह से बचाए गए हो; और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है; और न कर्मों से, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। इफिसियों 2:8-9

क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा। रोमियों 10:13

पापी की प्रार्थना
विश्वास के साथ यह प्रार्थना करें:
प्रभु यीशु, मुझसे प्यार करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं मानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और आपसे माफ़ी माँगता हूँ। मेरे सभी पापों की कीमत चुकाने के लिए अपना खून बहाने के लिए धन्यवाद। क्रॉस पर आपकी मौत, दफ़नाने और फिर से ज़िंदा होने के लिए धन्यवाद। मैं आप पर अपने प्रभु और बचाने वाले के तौर पर भरोसा करता हूँ। मैं आपके हमेशा की ज़िंदगी के तोहफ़े को स्वीकार करता हूँ और मैं अपनी ज़िंदगी आपको सौंपता हूँ। आपकी सभी आज्ञाओं को मानने और आपकी नज़र में अच्छा लगने में मेरी मदद करें। आमीन।

अगर आपने यीशु मसीह पर भरोसा किया है, तो आपके साथ ये हुआ होगा:
• अब, आपके पास परमेश्वर के साथ अनंत जीवन है।
और जिसने मुझे भेजा है, उसकी इच्छा यह है कि जो कोई बेटे को देखे और उस पर विश्वास करे, उसे हमेशा की ज़िंदगी मिले: और मैं उसे आखिरी दिन फिर ज़िंदा करूँगा। यूहन्ना 6:40
• आपके सभी पाप चुका दिए गए हैं और माफ़ कर दिए गए हैं। (अतीत, वर्तमान, भविष्य)
लेकिन यह आदमी, पापों के बदले एक ही बलिदान हमेशा के लिए चढ़ाकर, परमेश्वर के दाहिने हाथ जा बैठा; इब्रानियों 10:12
• आप भगवान की नज़र में एक नई रचना हैं। यह आपके नए जीवन की शुरुआत है।
इसलिए अगर कोई मसीह में है, तो वह एक नया प्राणी है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब कुछ नया हो गया है। 2 कुरिन्थियों 5:17
• आप परमेश्वर की संतान बन गये।
लेकिन जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया, यानी उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं। यूहन्ना 1:12

अच्छे काम हमारे बचने का तरीका नहीं हैं, बल्कि हमारे उद्धार का सबूत या फल हैं।
क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं, और मसीह यीशु में उन अच्छे कामों के लिए बनाए गए हैं, जिन्हें परमेश्वर ने पहले से ही ठहराया है कि हम उनमें चलें। इफिसियों 2:10
भगवान आपका भला करे!

# बेथानी की मरियम के लिए एक स्मारक

और जब वह बेथानी में साइमन कोढ़ी के घर खाना खा रहा था, तो एक औरत आई जिसके पास कीमती जटामांसी के तेल से भरा एक डिब्बा था; और उसने डिब्बा तोड़कर उसके सिर पर उंडेल दिया। और कुछ लोग मन ही मन गुस्सा हुए और कहने लगे, इस तेल को क्यों बर्बाद किया गया? इसे तीन सौ से ज़्यादा पैसे में बेचकर गरीबों को दिया जा सकता था। और वे उसके खिलाफ बड़बड़ाने लगे। तब यीशु ने कहा, उसे अकेला छोड़ दो; उसे क्यों परेशान करते हो? उसने मेरे साथ अच्छा काम किया है। क्योंकि गरीब हमेशा तुम्हारे साथ रहते हैं, और जब चाहो उनका भला कर सकते हो: लेकिन मेरे साथ तुमने हमेशा नहीं किया। उसने जो कर सकती थी, किया है: वह मेरे शरीर पर दफ़नाने के लिए पहले से ही अभिषेक करने आई है। मैं तुमसे सच कहता हूँ, जहाँ भी पूरी दुनिया में यह खुशखबरी फैलाई जाएगी, यह भी जो उसने किया है, उसकी याद में बताया जाएगा। मार्क 14:3-9